वार्षिक प्रतिवेदन 2021

“कामयाबी के बढ़ते कदम”

श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर

प्रकाशन संख्या : SKNAU/2022/01

वार्षिक प्रतिवेदन

2021

श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय
जोबनेर–303329(राज.)

श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय

जोबनेर-(राज.)

संरक्षक
डॉ. जे. एस. सन्धू
कुलपति

समन्वयक एवं सम्पादक
प्रो. सुरेन्द्र कुमार खण्डेलवाल
निदेशक, प्राथमिकता, निरीक्षण एवं मूल्यांकन

डॉ. गिरीश कुमार मित्तल
सहायक प्राध्यापक (जैवरसायन)

सहयोग

निदेशक अनुसंधान/ निदेशक प्रसार शिक्षा/ निदेशक मानव संसाधन विकास/ निदेशक शिक्षा
कुलसचिव/वित्त नियंत्रक/परीक्षा नियंत्रक/भूसम्पति अधिकारी/केन्द्रीय पुस्तकालयाध्यक्ष
अधिष्ठाता श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर/लालसोट/भरतपुर/फतेहपुर–शेखावाटी/नवागांव/
कृषि व्यवसाय एवं प्रबन्धन महाविद्यालय/डेयरी विज्ञान एवं प्रौधौगिकी/कृषि महाविद्यालय कोटपुतली/
बसेड़ी/किशनगढ़बास/झिलाई/भुसावर/पीथमपुरी

श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय
जोबनेर–303329 (जयपुर) राजस्थान–303329
✆01425–254039, 254555 ई–मेलः **vc@sknau.ac.in**

प्रो. जीत सिंह सन्धू
कुलपति

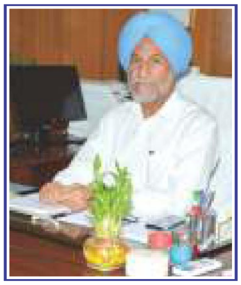

प्राक्कथन

श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर के वार्षिक प्रतिवेदन 2021 को प्रस्तुत करते हुए मुझे अत्यन्त प्रसन्नता है। इस विश्वविद्यालय की स्थापना 2013 में हुई, तभी से इस विश्वविद्यालय में कृषि शिक्षा, अनुसंधान एवं तकनीकियों के हस्तानान्तरण क्षेत्र में कार्य को गतिमान बनाया जा रहा है। राज्य सरकार की बजट घोषणा के क्रम में इस वर्ष तीन कृषि महाविद्यालय भुसावर (भरतपुर), झिलाई (टोंक), पीथमपुरी (सीकर) व एक डेयरी विज्ञान एवं प्रोधौगिकी महाविद्यालय (जोबनेर) शुरू किये गये है। कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान से संबंधित विषयों पर 48 वेबिनार आयोजित किये गये जिसमें राष्ट्रीय अर्न्तराष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त वैज्ञानिकों द्वारा व्याख्यान दिये गये। राजभवन परिसर में समन्वित कृषि प्रणाली इकाई की स्थापना की गई। विश्वविद्यालय में शिक्षा और अनुसंधान को उच्च स्तर पर ले जाने हेतु अन्य शोध संस्थानों से सात अनुबंध किये गये है।

विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने इस आलोच्य वर्ष में फसलों की चार किस्में क्रमशः काबुली चना की सी.एस.जे.के. 174 (कर्ण काबुली–4), बाजरे की आर.एच.बी.–228, तारामीरा की आर.टी.एम. 1624 (कृष्ण तारा) एवं सौंफ की यू.एफ. 289 किस्में विकसित की है। इस वर्ष के दौरान 35 उन्नत कृषि तकनीकियों को विकसित किया गया एवं राष्ट्रीय कृषि विकास परियोजना के तहत् 03 प्रोजेक्ट एवं निजी कम्पनियों की 40 परीक्षण परियोजनाएं कार्यरत है।

कृषि प्रसार निदेशालय द्वारा पाँच दिवसीय राज्य स्तरीय किसान मेला, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर के प्रांगण में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर राजस्थान के कृषि, पशुपालन व सहकारिता मंत्री श्री लालचन्द कटारिया मुख्य अतिथि व तकनीकी शिक्षा मंत्री श्री सुभाष गर्ग विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। प्रसार निदेशालय के माध्यम से इस वर्ष 444 प्रशिक्षण आयोजित किये गये जिनसे 11215 किसान, किसान महिलायें तथा युवा लाभान्वित हुए। साथ ही 1262 हेक्टेयर क्षेत्रफल में प्रथम पंक्ति प्रदर्शन लगाये गये जिनसे 3493 कृषक लाभान्वित हुए। विश्वविद्यालय के प्रत्येक कृषि विज्ञान केन्द्रों ने अपना मोबाईल एप विकसित किया है जो कृषि तकनीक के हस्तानान्तरण में उपयोगी सिद्ध हो रहा है। विश्वविद्यालय की विभिन्न इकाईयों पर इस वर्ष विभिन्न फसलों का 2703 क्विंटल प्रजनक बीज व 2134 क्विंटल सत्य चिन्हित बीज का उत्पादन हुआ है, जिससे क्षेत्र के कृषकों को गुणवत्ता युक्त बीज उपलब्ध हो पाया है।

विश्वविद्यालय द्वारा अपनी साख के अनुरूप कार्य करने में सभी अधिष्ठाताओं, निदेशकों, अधिकारियों, वैज्ञानिकों, कर्मचारियों एवं छात्रों का सहयोग रहा है, जिसके लिए वे धन्यवाद के पात्र है। डॉ. सुरेन्द्र कुमार खण्डेलवाल, निदेशक (प्राथमिकता, निरीक्षण व मूल्यांकन) एवं उनकी टीम को इस वार्षिक प्रतिवेदन 2021 के सफल प्रकाशन हेतु बधाई।

(जीत सिंह संधू)

श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय

जोबनेर–(राजस्थान)

विवरणिका

क्र. सं.	अध्याय	पृष्ठ संख्या
1.	विश्वविद्यालय का संगठनात्मक ढांचा एवं परिचय	01–12
2.	विभिन्न संवर्गों में स्वीकृत, कार्यरत एवं रिक्त पदों का विवरण	13–14
3.	बजट मद	14–16
4.	प्रमुख सिविल कार्य एवं प्रगति	17–19
5.	कृषि शिक्षा	19–25
6.	छात्र कल्याण निदेशालय	25–27
7.	अनुसंधान निदेशालय	28–35
8.	प्रसार शिक्षा निदेशालय	35–45
9.	मानव संसाधन विकास निदेशालय	45–46
10.	प्राथमिकता, निरीक्षण एवं मूल्यांकन	47
11.	विश्वविद्यालय की महत्वपूर्ण गतिविधियाँ	47–51
12.	प्रतिष्ठित आगंतुक	52
13.	सार संक्षेप	53–54

1. विश्वविद्यालय संगठनात्मक ढ़ांचा एवं परिचय

श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय की स्थापना 13 सितम्बर 2013 में राजस्थान सरकार के राज्य अधिनियम 20 तथा संशोधित अध्यादेश 23 के तहत हुई। विश्वविद्यालय का क्षेत्राधिकार तीन जलवायु खण्डों के लगभग 64 लाख हेक्टेयर में फैला हुआ है जो कि राज्य के कुल क्षेत्रफल का लगभग 1/6 भू–भाग है तथा आठ जिलों में यानि सीकर (खण्ड 2 अ), जयपुर, अजमेर, टोंक, दौसा (खण्ड 3 अ), अलवर, भरतपुर, धौलपुर (खण्ड 3 ब) में फैला हुआ है। विश्वविद्यालय के क्षेत्राधिकार के आठ जिलों में औसतन 500–700 मिमी वार्षिक वर्षा होती है।

कृषि विश्वविद्यालय की स्थापना का मुख्य उद्देश्य कृषि एवं सम्बन्धित विज्ञान में शिक्षा, शोध एवं प्रसार कार्यक्रमों पर विशेष ध्यान केन्द्रित करना तथा कृषि, पशुपालन एवं उद्यानिकी की आधुनिक तकनीकों को अपनाकर ग्रामीण क्षेत्रों का आर्थिक उत्थान करना है।

श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर के क्षेत्राधिकार के तीन जलवायु खण्डों की विभिन्न ईकाइयाँ।

विश्वविद्यालय के मूलभूत उद्देश्य निम्न हैं :

1. कृषि एवं सहबद्ध विज्ञानों में शिक्षा, अनुसंधान और प्रसार शिक्षा का अभिवर्द्धन
2. विश्वविद्यालय के जलवायु खण्डो की महत्पूर्ण खाद्यान्नों, दालों, मसालों एंव उद्यानिकी फसलों की उन्नत संकर किस्मों का निर्माण
3. उच्च उत्पादकों के लिए स्थानीय तकनीकियों, विशिष्ठ विविध भू उपयोग तंत्र को विकसित करना
4. किसानों और प्रसार पदाधिकारियों द्वारा विकसित प्रौद्योगिकियों का तेजी से हस्तानांतरण

विश्वविद्यालय प्रशासन

विश्वविद्यालय के मुखिया कुलाधिपति के रूप में राजस्थान राज्य के राज्यपाल महोदय होते हैं। विश्वविद्यालय की सर्वोच्च संवैधानिक निकाय प्रबन्ध मण्डल है जो कि कुलपति महोदय को विभिन्न मसलों पर अपनी सहमति प्रदान

करती है। अन्य उच्च स्तर की विभिन्न संवैधानिक निकायों में शैक्षिक परिषद, शोध परिषद तथा प्रसार शिक्षा परिषद् है जो क्रमशः शिक्षा, शोध एवं प्रसार के उद्देश्यों से सम्बद्ध रखती हैं।

1. संगठनात्मक ढांचा

कुलाधिपति
↓
कुलपति

अधिष्ठाता

1. श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर
2. कृषि महाविद्यालय, लालसोट (दौसा)
3. कृषि महाविद्यालय, कुम्हेर (भरतपुर)
4. कृषि महाविद्यालय, फतेहपुर–शेखावाटी (सीकर)
5. कृषि महाविद्यालय, नवगांव (अलवर)
6. श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि व्यवसाय प्रबंधन महाविद्यालय, जोबनेर
7. कृषि महाविद्यालय, गोनेडा (कोटपुटली) जयपुर
8. कृषि महाविद्यालय, बसेड़ी (धौलपुर)
9. कृषि महाविद्यालय, किशनगढ़वास, (अलवर)
10. कृषि महाविद्यालय, झिलाई (टोंक)
11. कृषि महाविद्यालय, भुसावर (भरतपुर)
12. कृषि महाविद्यालय, पीथमपुरी (सीकर)
13. डेयरी विज्ञान एवं प्रौधोगिकी महाविद्यालय, जोबनेर

निदेशक

अधिकारी

1. कुल सचिव
2. वित्त नियंत्रक
3. भू–सम्पति अधिकारी

अन्य

1. परीक्षा नियंत्रक
2. पुस्तकालयाध्यक्ष

अनुसंधान | **शिक्षा** | **मानव संसाधन विकास** | **छात्र कल्याण** | **प्राथमिकता, निरीक्षण व मूल्यांकन** | **प्रसार शिक्षा**

अनुसंधान

1. कृषि अनुसंधान केन्द्र (राजस्थान कृषि अनुसंधान संस्थान) जयपुर
2. कृषि अनुसंधान केन्द्र, फतेहपुर–शेखावाटी (सीकर)
3. कृषि अनुसंधान केन्द्र, नवंगाव (अलवर)

कृषि अनुसंधान उपकेन्द्र

1. डिग्गी (टोंक)
2. कोटपुतली (जयपुर)
3. तबीजी (अजमेर)
4. कुम्हेर (भरतपुर)

प्रसार शिक्षा

1. कृषि विज्ञान केन्द्र, तबीजी (अजमेर)
2. कृषि विज्ञान केन्द्र, दौसा
3. कृषि विज्ञान केन्द्र, कोटपूतली (जयपुर)
4. कृषि विज्ञान केन्द्र, फतेहपुर–शेखावाटी (सीकर)
5. कृषि विज्ञान केन्द्र, नवगांव (अलवर)
6. कृषि विज्ञान केन्द्र, कुम्हेर (भरतपुर)
7. कृषि विज्ञान केन्द्र, धौलपुर

कृषि शिक्षा हेतु विश्वविद्यालय में तीन संकाय है, कृषि संकाय, कृषि व्यवसाय प्रबन्धन और डेयरी विज्ञान एवं प्रौधोगिकी। विश्वविद्यालय में वर्तमान में 13 महाविद्यालय हैं, जिनमें से कृषि संकाय के अधीन कृषि शिक्षा के लिए 11 कृषि महाविद्यालय आते हैं जिसमें सबसे पुराना तथा मुख्य शिक्षण संस्थान श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर है तथा अन्य 10 महाविद्यालय लालसोट (दौसा, 2007 में स्थापित), फतेहपुर शेखावाटी (सीकर, 2013 में स्थापित), कुम्हेर (भरतपुर, 2013 में स्थापित), नवगांव (अलवर, 2018 में स्थापित), गोनेड़ा–कोटपुतली (जयपुर, 2019 में स्थापित), बसेड़ी (धौलपुर, 2019 में स्थापित), किशनगढबास (अलवर, 2019 में स्थापित), भुसावर–वैर (भरतपुर, 2021 में स्थापित), झिलाई (टोंक, 2021 में स्थापित), पीथमपुरी (सीकर, 2021 में स्थापित) में स्थापित किये गये। कृषि व्यवसाय प्रबन्धन महाविद्यालय, जोबनेर वर्ष 2016 एवं डेयरी विज्ञान एवं प्रौधोगिकी महाविद्यालय, जोबनेर वर्ष 2021 में स्थापित किये गये। इन महाविद्यालयों में सत्र 2021–22 में कुल विद्यार्थियों की सँख्या 2531 है। कृषि संकाय के अधीन कृषि शिक्षा की शैक्षणिक गतिविधियों को श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर समन्वित करता है। कृषि महाविद्यालय, जोबनेर में प्रतिवर्ष 120 विद्यार्थियों को प्रवेश दिया जाता है। कृषि संकाय के अन्य कृषि महाविद्यालयों मे प्रत्येक में 60 विद्यार्थियों को प्रवेश दिया जाता है। इसके अतिरिक्त दो राजकीय एवं नौ निजी महाविद्यालय भी श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर से संबद्धता रखते है जहॉ वर्तमान सत्र मे कुल विद्यार्थियों की संख्या 3180 है। कृषि में स्नातकोत्तर एवं विद्यावाचस्पति पाठ्यक्रम श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर में संचालित किये जा रहे हैं।

अनुसंधान निदेशालय के अर्न्तगत तीन अनुसंधान केन्द्र हैं, – राजस्थान कृषि अनुसंधान संस्थान–दुर्गापुरा (जयपुर) इस कृषि विश्वविद्यालय का मुख्य अनुसंधान केन्द्र है, जिसमें अनुसंधान के साथ–साथ पांच विभागों में विद्यावाचस्पति पाठ्यक्रम भी चल रहा है। कृषि अनुसंधान केन्द्र, फतेहपुर–शेखावाटी (सीकर) व नवगांव (अलवर) में एवं चार कृषि अनुसंधान उप–केन्द्र, तबीजी (अजमेर), कुम्हेर (भरतपुर), गोनेड़ा (कोटपूतली) व डिग्गी (टोंक) में स्थित हैं। अनुसंधान निदेशालय के अर्न्तगत दीर्घकालीन 17 अखिल भारतीय समन्वित कृषि अनुसंधान तथा अखिल भारतीय नेटवर्क परियोजनाएं हैं जिनको भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली की 75 प्रतिशत वित्तीय व शेष राज्य सरकार के सहयोग से संचालित किया जा रही हैं। इनमें से 12 परियोजनाएं राजस्थान कृषि अनुसंधान संस्थान–दुर्गापुरा (जयपुर) में व 01 परियोजना कृषि अनुसंधान केन्द्र फतेहपुर शेखावाटी एवं 04 परियोजनाएं श्री. कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय जोबनेर पर संचालित की जा रही है। इन परियोजनाओं के अन्तर्गत यहां के क्षेत्राधिकार के महत्व की 19 फसलों, सब्जियों तथा शुष्क क्षेत्र फलों पर अनुसंधान कार्य किया जा रहा है। अन्य विशेष परियोजनाएं पौध संरक्षण, कृषि वानिकी, बीज अनुसंधान, सूत्रकृमि, एकीकृत कृषि पद्धति आदि पर हैं। एक परियोजना ग्रामीण कृषि मौसम सेवा पर भी संचालित है, जिसके माध्यम से लगभग 4 लाख कृषकों को उनके मोबाइल फोन पर मौसम संबंधी सूचना भेजी जाती है। विश्वविद्यालय की विभिन्न इकाइयों के तहत कुल 879.43 हैक्टेयर का कृषि फार्म है जिस पर अनुसंधान तथा गुणवत्ता युक्त बीजोत्पादन भी किया जाता हैं।

कृषि प्रसार शिक्षा निदेशालय के क्षेत्राधिकार में कुल सात कृषि विज्ञान केन्द्र हैं जो जयपुर जिले के गोनेडा (कोटपूतली), दौसा जिले के खेडला खुर्द, अजमेर जिले के तबीजी, अलवर जिले के नवगांव, भरतपुर जिले के कुम्हेर, धौलपुर जिले के मसूदपुर एवं सीकर जिले के फतेहपुर शेखावाटी में स्थित है। कृषि प्रसार शिक्षा निदेशालय द्वारा किसानों के लिए जोबनेर–कृषि नाम से मासिक पत्रिका का प्रकाशन निरन्तर किया जा रहा है। कृषि विज्ञान केन्द्र किसानों के प्रशिक्षण, प्रसार कार्यकर्ताओं के तकनीकी ज्ञान की वृद्वि हेतु प्रशिक्षण, ग्रामीण महिला एवं पुरूषों के लिए व्यवसायिक प्रशिक्षणों, किसान मेलों आदि का आयोजन करते हैं।

विश्वविद्यालय में मानव संसाधन विकास एवं छात्र कल्याण निदेशालय भी है जो अध्यापकों एवं छात्रों के विकास हेतु कार्य करते है। निदेशालय प्राथमिकता, निरीक्षण एवं मूल्यांकन का कार्य विश्वविद्यालय की गतिविधियों का प्रकाशन करना है। प्रशासनिक कार्यों के लिए कुलसचिव एवं वित्तीय मामलों के लिए वित्त नियंत्रक कार्यालय विश्वविद्यालय के अभिन्न अंग है। विश्वविद्यालय का सिविल कार्य भू–सम्पत्ति अधिकारी द्वारा सम्पन्न किया जाता है ।

श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर की प्रबंध मंडल की बैठक

प्रतिवेदन अवधि में विश्वविद्यालय की प्रबन्ध मण्डल की तीन बैठकें क्रमशः 27 फरवरी, 2021,13 जुलाई, 2021 एवं 20 दिसंबर, 2021 को सम्पादित हुई

श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर की प्रबंध मंडल के सदस्यों का विवरण :

क्र. सं.	सदस्य	सदस्य का नाम	
1.	कुलपति	प्रोफेसर जीत सिंह संधू	पदेन अध्यक्ष
2.	प्रभारी शासन सचिव, कृषि विभाग या मनोनीत उप सचिव	पदेन सदस्य का नाम प्रबन्ध मण्डल की बैठक से पूर्व प्राप्त होता है।	पदेन सदस्य
3.	प्रभारी शासन सचिव, वित्त विभाग या मनोनीत सचिव	पदेन सदस्य का नाम प्रबन्ध मण्डल की बैठक से पूर्व प्राप्त होता है।	पदेन सदस्य
4.	प्रभारी शासन सचिव, उच्च शिक्षा विभाग या मनोनीत सचिव	पदेन सदस्य का नाम प्रबन्ध मण्डल की बैठक से पूर्व प्राप्त होता है।	पदेन सदस्य
5.	प्रभारी शासन सचिव, पशुपालन विभाग या मनोनीत सचिव	पदेन सदस्य का नाम प्रबन्ध मण्डल की बैठक से पूर्व प्राप्त होता है।	पदेन सदस्य
6.	राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष द्वारा मनोनीत किया जाने वाला राजस्थान विधानसभा का एक सदस्य	श्री आलोक बेनीवाल, विधानसभा सदस्य	सदस्य
7.	कृषि के क्षेत्र से सरकार द्वारा मनोनीत किये जाने वाले दो प्रख्यात शिक्षाविद्/शैक्षणिक	डॉ. पी. सी. जैन डॉ. सीता राम चौधरी	सदस्य
8.	विश्वविद्यालय की अधिकारिता में से सरकार द्वारा मनोनीत किये जाने वाला एक प्रगतिशील किसान	श्री नन्दा राम कुड़ी	सदस्य
9.	सरकार द्वारा मनोनीत किये जाने वाला एक विशिष्ठता प्राप्त कृषि उद्योगपति	श्री पवन कुमार शर्मा	सदस्य
10.	सरकार द्वारा मनोनीत किये जाने वाली एक उत्कृष्ट महिला समाज सेविका, जिसकी पृष्ठ भूमि ग्रामीण विकास से संबधित हो	श्रीमती विमला जाजोरिया	सदस्य
11.	भारतीय कृषि अनुसंधान केन्द्र का एक प्रतिनिधि	डॉ. पी. के. राय	सदस्य
12.	कुलपति द्वारा मनोनीत किये जाने वाला एक निदेशक	डॉ. सुदेश कुमार	सदस्य
13.	कुलपति द्वारा मनोनीत किये जाने वाला एक संकाय अध्यक्ष	डॉ. ए.के गुप्ता	सदस्य
14.	कुलपति द्वारा मनोनीत किये जाने वाला एक आचार्य	डॉ. बी.एल. ककरालियां	सदस्य
15.	वित्त नियंत्रक	श्री बी.एल. बंजारा, राजस्थान लेखा सेवा	आमंत्रित सदस्य
16.	कुल सचिव	डॉ. रविन्द्र पालीवाल	सदस्य सचिव

शैक्षणिक वर्ष 2021–22 में सम्पन्न हुई प्रबंध मंडल की बैठकों का विवरण निम्न प्रकार है।

क.स.	बैठक	दिनांक	माध्यम
1.	17 वीं प्रबंध मंडल की बैठक	27.02.2021	ऑनलाईन
2.	18 वीं प्रबंध मंडल की बैठक	13.07.2021	ऑनलाईन
3.	19 वीं प्रबंध मंडल की बैठक	20.12.2021	ऑनलाईन

शैक्षणिक परिषद्

विश्वविद्यालय में शैक्षणिक कार्यो की समीक्षा करने और उनकी गुणवत्ता में समयानुसार परिवर्तन अथवा सुधार करने हेतु निम्न सदस्यों की एक शैक्षणिक परिषद् है–

क्र.सं.	नाम व पद	पद
1.	कुलपति, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर	पदेन अध्यक्ष
2.	डॉ. आर.के. पन्नू, पूर्व अधिष्ठाता, चौधरी चरण सिंह कृषि विश्वविद्यालय, हिसार (हरियाणा)	बाहरी सदस्य
3.	डॉ. प्रभात कुमार, समन्वयक, राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना, भाकृअसं. नई दिल्ली	बाहरी सदस्य
4.	कुल सचिव, श्री क.न. कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर	पदेन सदस्य
5.	विश्वविद्यालय के समस्त निदेशक–	
	• निदेशक अनुसंधान, श्री क.न.कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर	पदेन सदस्य
	• निदेशक प्रसार शिक्षा, श्री क.न. कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर	पदेन सदस्य
	• निदेशक, प्राथमिकता निरीक्षण एवं मूल्यांकन, श्री क.न. कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर	पदेन सदस्य
	• निदेशक, छात्र कल्याण, श्री.क.न. कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर	पदेन सदस्य
	• निदेशक, मानव संसाधन व विकास, श्री क.न. कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर	पदेन सदस्य
6.	संकायों के अध्यक्ष	पदेन सदस्य
7.	विश्वविद्यालय के समस्त घटक महाविद्यालयों के अधिष्ठाता	पदेन सदस्य
	• अधिष्ठाता एवं संकाय अध्यक्ष, श्री क.न.क. महाविद्यालय, जोबनेर	पदेन सदस्य
	• अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, लालसोट (दौसा)	पदेन सदस्य
	• अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, कुम्हेर (भरतपुर)	पदेन सदस्य
	• अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, फतेहपुर–शेखावाटी (सीकर)	पदेन सदस्य
	• अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, नवगांव, अलवर	पदेन सदस्य
	• अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, गोनेडा, कोटपूतली	पदेन सदस्य
	• अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, बसेड़ी, धौलपुर	पदेन सदस्य
	• अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, किशनगढवास (अलवर)	पदेन सदस्य
	• अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, भुसावर (भरतपुर)	पदेन सदस्य
	• अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, झिलाई (अलवर)	पदेन सदस्य
	• अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, पीथमपुरी (सीकर)	पदेन सदस्य
	• अधिष्ठाता, कृषि व्यवसाय प्रबन्धन महाविद्यालय, जोबनेर	पदेन सदस्य
	• अधिष्ठाता, डेयरी विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, जोबनेर	पदेन सदस्य
8.	परीक्षा नियंत्रक	पदेन सदस्य

9.		समस्त विभागों के विश्वविद्यालय विभाग प्रमुख, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर–	
	●	शस्य विज्ञान विभाग	सदस्य
	●	मृदा विज्ञान एवं कृषि रसायन विभाग	सदस्य
	●	कीट विज्ञान विभाग	सदस्य
	●	पौधव्याधि विभाग	सदस्य
	●	प्रसार शिक्षा विभाग	सदस्य
	●	उद्यान विभाग	सदस्य
	●	पादप प्रजनन एवं आनुवांशिकी विभाग	सदस्य
	●	पादप कार्यिकी विभाग	सदस्य
	●	पशुधन संवर्धन विभाग	सदस्य
	●	कृषि अर्थशास्त्र विभाग	सदस्य
	●	कृषि सांख्यिकी विभाग	सदस्य
	●	सूत्रकृमि विज्ञान विभाग	सदस्य
	●	जैव रसायन विभाग	सदस्य
	●	कृषि अभियांत्रिकी विभाग	सदस्य
10.		माननीय कुलपति द्वारा चुने गये सह–सदस्य–	
	●	डॉ. ए.एस. बलोदा, प्रोफेसर एवं निदेशक रा.कृ.अ.सं., दुर्गापुरा–जयपुर	सह–सदस्य
	●	डॉ. अविनाश माथुर, आचार्य पौधव्याधि विभाग, रा.कृ.अ.सं.दुर्गापुरा–जयपुर	सह–सदस्य
	●	डॉ. ओ. पी. गढवाल, नोडल आफिसर, राज्य कृषि विश्वविद्यालय	आमंत्रित सदस्य
	●	श्री बी. एल. बंजारा, वित्त नियंत्रक, श्री.क.न. कृषि विश्वविद्यालय	आमंत्रित सदस्य
11.		निदेशक, शिक्षा, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर	सदस्य सचिव

वर्ष 2021 में परिषद् की पाँच बैठकें सम्पन्न हुई जिनका विवरण निम्न प्रकार है–

क.सं.	बैठक	दिनांक	माध्यम
1.	शैक्षणिक परिषद् बैठक–15	17.02.2021	ऑन लाइन एवं आंशिक ऑफ लाइन
2.	शैक्षणिक परिषद् बैठक–16	26.06.2021	
3.	शैक्षणिक परिषद् बैठक–17	13.07.2021	
4.	शैक्षणिक परिषद् बैठक–18	14.10.2021	
5.	शैक्षणिक परिषद् बैठक–19	22.11.2021	

1. **स्नातकोत्तर एवं विद्यावाचस्पति पाठ्यक्रमों मे बी.एस.एम.ए. की अनुशंसा :–** विश्वविद्यालय ने भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली द्वारा गठित बी.एस.एम.ए. की अनुशंसा को शैक्षणिक वर्ष 2022–23 से लागू करने का फैसला किया है। इससे इन पाठ्यक्रमों की गुणवत्ता में सुधार होगा तथा हमारे विद्यार्थियों को राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित शैक्षणिक प्रतियोगी परीक्षाओं में लाभ होगा।

2. **स्नातकोत्तर छात्रों की अनुसंधान समिति में सह–परामर्शदाता का प्रावधान:–** विश्वविद्यालय ने पिछले वर्ष मेन्टयोर परामर्शदाता/सहपरामर्शदाता के प्रावधान को आगे बढाते हुए किसी इंडस्ट्री, निजी संस्थान, एन.जी.ओ. आदि से छात्रवृति प्राप्त होने पर वहा से एक सहपरामर्शदाता को सम्मिलित करने का प्रावधान किया गया है।

3. **जरूरतमंद एवं इच्छुक छात्रों को अल्पावधि रोजगार उपलब्ध कराना :–** विश्वविद्यालय में अध्ययनरत जरूरतमंद छात्रों को अल्पावधि रोजगार उपलब्ध कराने हेतु स्वास शुरू की गई है। इससे छात्रों को वितीय सहायता के साथ साथ कृषि से जुडी प्रायोगिक जानकारी भी मिलेगी।

4. **अनुबन्धक संकाय का प्रावधान :–** शिक्षा और अनुसंधान की गुणवत्ता बढाने के लिये देश एवं विदेश से विषय विशषज्ञों को अल्प समय के लिए विश्वविद्यालय में रहकर कार्य करने का प्रावधान किया गया है। इसके लिये विश्वविद्यालय में विश्व बैंक और भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के सहयोग से संचालित नाहेप से वित्तीय सहायता प्रदान की जायेगी।
5. **विद्यावाचस्पति विद्यार्थियों को शिक्षा सहायक का कार्य कराना :–** नेट उत्तीर्ण किये हुए विद्यावचस्पति के छात्रों को शिक्षा सहायक के रूप में कार्य कराने का प्रावधान किया है। इसके लिये उन्हे प्रति कालांश मानदेय देने का प्रावधान किया गया है।
6. **व्यावसायिक पाठ्यक्रम शुरू करना :–** छात्रों को स्वरोजगारोन्मुखी बनाने हेतु तय पाठ्यक्रम के अलावा व्यावसायिक पाठ्यक्रम शुरू करने का प्रावधान किया गया है। इसके लिये अन्य विश्वविद्यालयों से समन्वय कर यहां की जरूरतों और परिस्थितियों के अनुसार व्यावसायिक पाठ्यक्रम तैयार किये गये हैं।

शोध परिषद्

विश्वविद्यालय में शोध संबन्धी कार्यो हेतु एक शोध परिषद कार्यरत है जिसका विवरण निम्न प्रकार है।

श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर की शोध परिषद् के सदस्यों का विवरण

क.सं.	नाम व	पद
1.	कुलपति	पदेन अध्यक्ष
2.	निदेशक कृषि, राजस्थान सरकार	पदेन सदस्य
3.	निदेशक उद्यान, राजस्थान सरकार	पदेन सदस्य
4.	निदेशक मत्स्य, राजस्थान सरकार	पदेन सदस्य
5.	मुख्य वनरक्षक, राजस्थान सरकार	पदेन सदस्य
6.	सभी निदेशक, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर ÷ निदेशक, प्रसार शिक्षा ÷ निदेशक, प्राथमिकता, निरीक्षण एवं मूल्यांकन ÷ निदेशक, शिक्षा ÷ निदेशक, छात्र कल्याण ÷ निदेशक, मानव संसाधन विकास ÷ निदेशक, राजस्थान कृषि अनुसंधान संस्थान, दुर्गापुरा, जयपुर	पदेन सदस्य
7.	समस्त घटक महाविद्यालयों के अधिष्ठाता ÷ अधिष्ठाता एवं संकाय अध्यक्ष श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर ÷ अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, लालसोट (दौसा) ÷ अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, कुम्हेर (भरतपुर) ÷ अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, फतेहपुर–शेखावाटी (सीकर) ÷ अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, नवगांव (अलवर) ÷ अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, कोटपुतली (जयपुर)	पदेन सदस्य

	÷ अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, बसेडी (धौलपुर) ÷ अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, किशनगढवास (अलवर) ÷ अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, भुसावर (भरतपुर) ÷ अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, झिलाई (अलवर) ÷ अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, पीथमपुरी (सीकर) ÷ अधिष्ठाता, कृषि व्यवसाय प्रबन्धन महाविद्यालय, जोबनेर ÷ अधिष्ठाता, डेयरी विज्ञान एवं प्रौधिगिकी महाविद्यालय, जोबनेर	
8.	समस्त क्षेत्रीय निदेशक अनुसंधान ÷ क्षेत्रीय निदेशक अनुसंधान, कृषि अनुसंधान केन्द्र, नवगांव, अलवर ÷ क्षेत्रीय निदेशक अनुसंधान, कृषि अनुसंधान केन्द्र, फतेहपुर–शेखावाटी (सीकर)	सदस्य
9.	समस्त कार्यक्रम समन्वयक कृषि विज्ञान केन्द्र ÷ कार्यक्रम समन्वयक, कृषि विज्ञान केन्द्र, तबीजी, अजमेर ÷ कार्यक्रम समन्वयक, कृषि विज्ञान केन्द्र, दौसा ÷ कार्यक्रम समन्वयक, कृषि विज्ञान केन्द्र, गोनेड़ा, कोटपूटली ÷ कार्यक्रम समन्वयक, कृषि विज्ञान केन्द्र, कुम्हेर (भरतपुर) ÷ कार्यक्रम समन्वयक, कृषि विज्ञान केन्द्र, फतेहपुर–शेखावाटी (सीकर) ÷ कार्यक्रम समन्वयक, कृषि विज्ञान केन्द्र, धौलपुर ÷ कार्यक्रम समन्वयक, कृषि विज्ञान केन्द्र, नवगांव, अलवर	सदस्य
10.	समस्त विश्वविद्यालय विभागाध्यक्ष, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर ÷ शस्य विज्ञान विभाग ÷ मृदा विज्ञान एवं कृषि रसायन विभाग ÷ कीट विज्ञान विभाग ÷ पौध व्याधि विभाग ÷ प्रसार शिक्षा विभाग ÷ उद्यान विभाग ÷ पादप प्रजनन एवं आनुवांशिकी विभाग ÷ पादप कार्यिकी विभाग ÷ जैव रसायन विभाग ÷ पशुधन संवर्धन विभाग ÷ कृषि अर्थशास्त्र विभाग ÷ कृषि सांख्यिकी विभाग ÷ कृषि अभियांत्रिकी विभाग ÷ सूत्र कृमि विभाग	सदस्य
11.	दो विख्यात वैज्ञानिक	सदस्य
12.	निदेशक अनुसंधान, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर	सदस्य सचिव

प्रसार शिक्षा परिषद्

प्रसार संबधी कार्यो एवं प्रसार शिक्षा के लिए प्रसार शिक्षा परिषद् है। जिसके सदस्यों का विवरण निम्न प्रकार है।

श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर की प्रसार शिक्षा परिषद् के सदस्यों का विवरण

क.सं.	नाम	पद
1.	कुलपति	पदेन अध्यक्ष
2.	सचिव कृषि विभाग, राजस्थान सरकार (सहायक मुख्य सचिव/प्रमुख सचिव कृषि विभाग)	सदस्य
3.	निदेशक कृषि/निदेशक उद्यान/निदेशक मत्स्य/मुख्य वनरक्षक, राजस्थान सरकार	सदस्य
4.	सभी निदेशक, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर	सदस्य
	÷ निदेशक अनुसंधान	सदस्य
	÷ निदेशक, प्राथमिकता, निरीक्षण एवं मूल्यांकन	सदस्य
	÷ निदेशक, शिक्षा	सदस्य
	÷ निदेशक, छात्र कल्याण	सदस्य
	÷ निदेशक, मानव संसाधन विकास	सदस्य
	÷ निदेशक राजस्थान कृषि अनुसंधान संस्थान, दुर्गापुरा	सदस्य
5.	समस्त घटक महाविद्यालयों के अधिष्ठाता	सदस्य
	÷ अधिष्ठाता एवं संकाय अध्यक्ष श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर	सदस्य
	÷ अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, लालसोट (दौसा)	सदस्य
	÷ अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, कुम्हेर (भरतपुर)	सदस्य
	÷ अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, फतेहपुर–शेखावाटी (सीकर)	सदस्य
	÷ अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, नवगांव (अलवर)	सदस्य
	÷ अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, कोटपुतली (जयपुर)	सदस्य
	÷ अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, बसेडी (धौलपुर)	सदस्य
	÷ अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, किशनगढबास, (अलवर)	सदस्य
	÷ अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, भुसावर (भरतपुर)	सदस्य
	÷ अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, झिलाई (टोंक)	सदस्य
	÷ अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, पीथमपुरी (सीकर)	सदस्य
	÷ अधिष्ठाता, कृषि व्यवसाय प्रबन्धन महाविद्यालय, जोबनेर	सदस्य
	÷ अधिष्ठाता, डेयरी विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, जोबनेर	सदस्य
6.	क्षेत्रीय निदेशक अनुसंधान	–
	÷ क्षेत्रीय निदेशक अनुसंधान, कृषि अनुसंधान केन्द्र, नवगांव, अलवर	सदस्य
	÷ क्षेत्रीय निदेशक अनुसंधान, कृषि अनुसंधान केन्द्र, फतेहपुर–शेखावाटी (सीकर)	सदस्य

7.	कार्यक्रम समन्वयक कृषि विज्ञान केन्द्र	–
	÷ कार्यक्रम समन्वयक, कृषि विज्ञान केन्द्र, तबीजी, अजमेर	सदस्य
	÷ कार्यक्रम समन्वयक, कृषि विज्ञान केन्द्र, दोसा	सदस्य
	÷ कार्यक्रम समन्वयक, कृषि विज्ञान केन्द्र, गोनेड़ा, कोटपूटली	सदस्य
	÷ कार्यक्रम समन्वयक, कृषि विज्ञान केन्द्र, कुम्हेर (भरतपुर)	सदस्य
	÷ कार्यक्रम समन्वयक, कृषि विज्ञान केन्द्र, फतेहपुर–शेखावाटी (सीकर)	सदस्य
	÷ कार्यक्रम समन्वयक, कृषि विज्ञान केन्द्र, धौलपुर	सदस्य
	÷ कार्यक्रम समन्वयक, कृषि विज्ञान केन्द्र, नवगांव, अलवर	सदस्य
8.	विश्वविद्यालय विभागाध्यक्ष, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर	–
	÷ शस्य विज्ञान विभाग	सदस्य
	÷ मृदा विज्ञान एवं कृषि रसायन विभाग	सदस्य
	÷ कीट विज्ञान विभाग	सदस्य
	÷ पौधव्याधि विभाग	सदस्य
	÷ प्रसार शिक्षा विभाग	सदस्य
	÷ उद्यान विभाग	सदस्य
	÷ पादप प्रजनन एवं आनुवांशिकी विभाग	सदस्य
	÷ पादप कार्यिकी विभाग	सदस्य
	÷ जैवरसायन विभाग	सदस्य
	÷ पशुधन संवर्धन विभाग	सदस्य
	÷ कृषि अर्थशास्त्र विभाग	सदस्य
	÷ कृषि सांख्यिकी विभाग	सदस्य
	÷ कृषि अभियांत्रिकी विभाग	सदस्य
	÷ सूत्र कृमि विभाग	
9.	प्रसार शिक्षा के क्षेत्र में ख्याति प्राप्त मुख्य वैज्ञानिक	
	÷ डॉ. ए.के. मेहता, भूतपूर्व सहायक महानिदेशक, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली	सदस्य
	÷ डॉ. जे.पी. शर्मा, संयुक्त निदेशक, प्रसार, भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली	सदस्य
	÷ श्री वीरेन्द्र परिहार, कार्यक्रम अधिकारी, दूरदर्शन केन्द्र, जयपुर	विशेष आमंत्रित सदस्य
10.	प्रगतिशील कृषक	
	श्री सुरेन्द्र अवाना, भैराना, जयपुर	सदस्य
	श्री राम नारायण चौधरी, बसेडी, जयपुर	सदस्य
	श्रीमती संतोष पचार, झिंगर छोटी, सीकर	सदस्य

11.	संस्थाओं के प्रतिनिधि	सदस्य
	÷ निदेशक, ग्रामीण विकास विभाग, राजस्थान सरकार	सदस्य
	÷ रजिस्ट्रार, सहकारिता विभाग, राजस्थान सरकार	सदस्य
	÷ अधीक्षण अभियंता, सिंचाई विभाग, राजस्थान सरकार	सदस्य
	÷ राज्य विपणन प्रबंधक, इफको, राजस्थान	सदस्य
	÷ महाप्रबंधक, राजस्थान राज्य बीज निगम, जयपुर	सदस्य
12.	निदेशक प्रसार शिक्षा, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर	सदस्य सचिव

विश्वविद्यालय में कार्यरत अधिकारी

विश्वविद्यालय में वर्तमान में निम्न अधिकारी विभिन्न पदों पर कार्यरत हैं।

श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर के वर्तमान में कार्यरत अधिकारी

क.सं.	नाम	पद
1.	प्रो. जे.एस. संधू	कुलपति
2.	डॉ. रविन्द्र पालीवाल	कुलसचिव
3.	श्री बी.एल. बंजारा	वित्त नियंत्रक
4.	डॉ. एम.एल. जाखड	निदेशक, अनुसंधान
5.	डॉ. सुदेश कुमार	निदेशक, प्रसार शिक्षा
6.	डॉ. एस.के. खण्डेलवाल	निदेशक, प्राथमिकता, निरीक्षण एंव मूल्यांकन
7.	डॉ. एन.के.गुप्ता	निदेशक, शिक्षा
8.	डॉ. बी.एल. ककरालियां	निदेशक, मानव संसाधन विकास
9.	डॉ. आई.एम. खान	निदेशक, छात्र कल्याण
10.	डॉ. के.सी. कुमावत	परीक्षा नियंत्रक
11.	डॉ. ए.के.गुप्ता	संकाय अध्यक्ष एंव अधिष्ठाता, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर
12.	डॉ. एस.एस. यादव	अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, लालसोट (दौसा)
13.	डॉ. उदयभान सिंह	अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, कुम्हेर (भरतपुर)
14.	डॉ. एस.आर. ढाका	अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, फतेहपुर–शेखावाटी (सीकर)
15.	डॉ. ए.एस. बलोदा	निदेशक, राजस्थान कृषि अनुसंधान संस्थान, दुर्गापुरा, जयपुर
16.	डॉ. सुनीता गुप्ता	विश्वविद्यालय पुस्तकालयाध्यक्ष
17.	श्री लखबीर सिंह	भू–सम्पत्ति अधिकारी
18.	डॉ. उदयभान सिंह	अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, बसेड़ी (धौलपुर)
19.	डॉ. आर.पी. जाट	अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, झिलाई, निवाई, टोंक
20.	डॉ. आर.एस. मीना	अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, भुसावर (वैर) भरतपुर

21.	डॉ. शैलेश गोदिका	अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, नवगांव, अलवर
22.	डॉ. सुरेन्द्र सिंह	अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, कोटपूतली, जयपुर
23.	डॉ. राकेश समौरिया	अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, किशनगढबास, अलवर
24.	डॉ. डी.के. गौठवाल	अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, पीथमपुरी, सीकर
25.	डॉ. ए.सी. शिवरान	अधिष्ठाता, डेयरी विज्ञान एंव प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, जोबनेर
26.	डॉ. ए.आर.के. पठान	अधिष्ठाता, कृषि व्यवसाय एंव प्रबन्धन महाविद्यालय, जोबनेर

श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर के वर्तमान में कार्यरत विभागाध्यक्ष (कृषि संकाय)

क.सं.	विभाग का नाम	नाम
1.	शस्य विज्ञान विभाग	डॉ. एल. आर. यादव, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर
2.	मृदा विज्ञान एवं कृषि रसायन विभाग	डॉ. एस.के. दाधीच, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर
3.	कीट विज्ञान विभाग	डॉ. अख्तर हुसैन, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर
4.	पौध व्याधि विभाग	डॉ. महावीर सिंह, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर
5.	प्रसार शिक्षा विभाग	डॉ. के.सी. शर्मा, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर
6.	उद्यान विभाग	डॉ. एल.एन.बैरवा, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर
7.	पादप प्रजनन एवं आनुवांशिकी विभाग	डॉ. एस. एस. पूनिया, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर
8.	पादप कार्यिकी विभाग	डॉ. सुनीता गुप्ता, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर
9	जैव रसायन विभाग	डॉ. ए.के. गुप्ता, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर
10	पशुधन संवर्धन विभाग	डॉ. महेश दत्त, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर
11	कृषि अर्थशास्त्र विभाग	डॉ. ए.के. गुप्ता, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर
12	कृषि सांख्यिकी विभाग	डॉ. किरन गौड़, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर
13	कृषि अभियांत्रिकी विभाग	डॉ. ए.के. गुप्ता, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर
14	सूत्र कृमि विभाग	डॉ. ए.के. गुप्ता, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर

2. विभिन्न सवर्गो में स्वीकृत, कार्यरत एवं रिक्त पदों का विवरण

श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर में विभिन्न संवर्गों में स्वीकृत, कार्यरत एवं रिक्त पदों की संख्या

क्र. सं.	पद नाम	गैर आयोजना मद			राज्य आयोजना मद			आयोजना मद						कुल योग		
								75:25 प्रतिशत			100 प्रतिशत					
		स्वीकृत	कार्यरत	रिक्त	स्वीकृत	कार्यरत	रिक्त	स्वीकृत	कार्यरत	रिक्त	स्वीकृत	कार्यरत	रिक्त	स्वीकृत	कार्यरत	रिक्त
1	आचार्य	09	02	07	00	00	00	02	00	02	00	00	00	11	02	09
2	सह–आचार्य	43	06	37	23	04	19	13	10	03	07	05	02	86	25	61
3	सहायक आचार्य	162	82	80	105	29	76	37	23	14	42	28	14	346	162	184
4	अधिकारी संवर्ग	07	03	04	39	16	23	00	00	00	00	00	00	46	19	27
5	मंत्रालयिक संवर्ग	77	38	39	91	39	52	00	00	00	14	02	12	182	79	103
6	तकनीकी संवर्ग	105	56	49	89	13	76	47	21	26	35	05	30	276	95	181
7.	चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी	173	81	92	67	14	53	04	01	03	14	06	08	258	102	156
	योग	576	267	309	414	115	299	103	56	47	112	46	66	1205	484	721

श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर के संघटक महाविद्यालयों में विभिन्न वर्गो के कर्मचारियों की संख्या

क्र. सं.	वर्ग	शैक्षिक वर्ग 2020–21		गैर शैक्षिक वर्ग 2020–21		शैक्षिक वर्ग 2021–22		गैर शैक्षिक वर्ग 2021–22	
		पुरूष	महिला	पुरूष	महिला	पुरूष	महिला	पुरूष	महिला
1	सामान्य	93	21	118	15	91	21	109	14
2	अनुसूचित जाति	30	03	27	07	30	03	26	07
3	अनुसूचित जनजाति	22	00	17	02	22	00	14	02
4	अन्य पिछड़ा वर्ग	30	03	103	07	29	02	92	06
5	विशेष पिछड़ा वर्ग	00	00	00	00	00	00	00	00
6	विकलांग	04	00	00	00	04	00	00	00
7	अल्पसंख्यक	06	00	07	00	06	00	06	00
	कुल	**185**	**27**	**279**	**31**	**182**	**26**	**247**	**29**

3. बजट मद

श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर का वित्तीय वर्ष 2021–22 के दौरान प्राप्त व व्यय राशि का विवरण (अप्रैल से दिसम्बर, 2021 तक)

कंसं.	विवरण	प्राप्त राशि 2021–22 (रूपये लाख)	व्यय राशि 2021–22 (रूपये लाख)
1.	राज्य आयोजना + गैर आयोजना	5237.23	5237.23
2.	राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (आर.के.वी.वाई)	–	84.02
3.	कृषि विज्ञान केन्द्र	799.03	441.07
4.	भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् (75% : 25%)	797.51	846.47
5.	भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् (100%)	11.78	2.04
6.	उच्च कृषि शिक्षा का सुदृढ़ीकरण एवं विकास (आई.सी.ए.आर)	49.43	5.94
7.	कृषि मंत्रालय, भारत सरकार (एम.ए.जी)	25.87	6.12
8.	एन.आई.सी.आर.ए	9.14	2.19
9.	निजी वित्त पोषित परियोजनाएं	93.78	15.35
10.	किसान मेला	4.36	0.0
11.	अन्य केन्द्र प्रायोजित परियोजनाएं (ओ.सी.एस)	47.68	21.85
12.	अन्य	0.0	0.0
	कुल	**7075.81**	**6672.28**

श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर में अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना का वित्तीय वर्ष 2021–22 के दौरान प्राप्त व व्यय राशि का विवरण (अप्रैल से दिसम्बर, 2021 तक)

क्र.सं.	बजट मद	परियोजना का नाम	स्थान	प्राप्त राशि (रू लाखों में)	व्यय राशि (रू लाखों में)
1.	7-T(95)	अखिल भारतीय समन्वित गेंहू एवं जौ अनुसंधान परियोजना	रारी, दुर्गापुरा, जयपुर	191.97	142.66
2.	7-T(29)	अखिल भारतीय समन्वित बाजरा अनुसंधान परियोजना	रारी, दुर्गापुरा, जयपुर	88.23	88.57
3.	7-T(27)	अखिल भारतीय समन्वित मसाला अनुसंधान परियोजना	श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर	30.00	43.62
4.	7-T(30)	अखिल भारतीय समन्वित चना अनुसंधान परियोजना	रारी, दुर्गापुरा, जयपुर	72.31	68.16
5.	7-T(94)	अखिल भारतीय कीट नाशक अवशेष नेटवर्क अनुसंधान परियोजना	रारी, दुर्गापुरा, जयपुर	36.64	12.49
6.	7-T(77)	अखिल भारतीय समन्वित तारामीरा अनुसंधान परियोजना	श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर	–	–
7.	7-T(75)	अखिल भारतीय समन्वित सब्जी अनुसंधान परियोजना	रारी, दुर्गापुरा, जयपुर	56.13	91.74
8.	7-T(60-A)	अखिल भारतीय समन्वित बीज प्रोद्यौगिकी अनुसंधान परियोजना	रारी, दुर्गापुरा, जयपुर	73.60	35.24
9.	7-T(14)	अखिल भारतीय समन्वित शुष्क क्षेत्रीय फल अनुसंधान परियोजना	श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर	134.00	85.22
10.	7-T(79)	अखिल भारतीय समन्वित सरसों अनुसंधान परियोजना	कृषि अनुसंधान केन्द्र, फतेहपुर–शेखावाटी	33.39	32.16
11.	7-T(43)	अखिल भारतीय समन्वित मूंग, उड़द, मसूर, अरहर, राजमा व मटर अनुसंधान परियोजना	रारी, दुर्गापुरा, जयपुर	43.73	33.80
12.	7-T(41)	अखिल भारतीय समन्वित एकीकृत कृषि प्रणाली अनुसंधान परियोजना,	रारी, दुर्गापुरा, जयपुर	67.79	41.44
13.	7-T(40)	अखिल भारतीय सफेद लट और मृदा आर्थोपोड़ नेटवर्क अनुसंधान परियोजना	रारी, दुर्गापुरा , जयपुर	135.49	117.20
14.	7-T(156)	अखिल भारतीय प्याज एवं लहसुन नेटवर्क अनुसंधान परियोजना	श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर	7.00	3.16

15.	7-T(91)	अखिल भारतीय समन्वित कृषि वानिकी अनुसंधान परियोजना	रारी, दुर्गापुरा, जयपुर	29.80	17.21
16.	7-T(13)	अखिल भारतीय शुष्क दलहन नेटवर्क अनुसंधान परियोजना	रारी, दुर्गापुरा, जयपुर	47.96	39.33
17.	7-T(2)	अखिल भारतीय सूत्रकृमि अनुसंधान परियोजना	रारी, दुर्गापुरा, जयपुर	3.67	0.56
18.	7-T(76)	अखिल भारतीय समन्वित मूंगफली परियोजना	रारी, दुर्गापुरा, जयपुर	18.65	33.93

श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर के कृषि विज्ञान केन्द्रों को प्राप्त व व्यय राशि का विवरण

कृषि विज्ञान केन्द्र			
क्र. सं.	वित्तीय वर्ष 2021–22 के दौरान प्राप्त व व्यय राशि का विवरण (अप्रैल से दिसम्बर, 2021 तक)	प्राप्त राशि (रूपये लाख)	व्यय राशि (रूपये लाख)
1.	कृषि विज्ञान केन्द्र, कोटपूतली, जयपुर	93.63	59.41
2.	कृषि विज्ञान केन्द्र, दौसा	117.38	69.02
3.	कृषि विज्ञान केन्द्र, कुम्हेर, भरतपुर	115.17	52.53
4.	कृषि विज्ञान केन्द्र, नवगांव, अलवर	143.36	82.79
5.	कृषि विज्ञान केन्द्र, फतेहपुर–शेखावाटी, सीकर	58.95	40.18
6.	कृषि विज्ञान केन्द्र, तबीजी, अजमेर	154.68	88.71
7.	कृषि विज्ञान केन्द्र, धौलपुर	74.98	38.14
	कुल	**758.15**	**430.78**
8	प्रसार शिक्षा निदेशालय	3.07	2.50
	योग	**761.22**	**433.28**
अन्य			
9	तिलहन	16.46	–
10	डी.ए.एम.यू, धौलपुर	8.35	7.79
11	ए.आर.वाई.ए, अलवर	3.0	–
12	प्रशिक्षण कार्यक्रम	10.0	–
	योग	37.81	7.79
	कुल योग	799.03	441.07

4. प्रमुख सिविल कार्य एवं प्रगति

श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय के प्रमुख सिविल कार्य तथा प्रत्येक कार्यों के विरूद्ध आलोच्य वर्ष में प्रगति

1. बजट मद – राज्य आयोजना :

क.सं.	कार्य का नाम	उपलब्ध राशि रू लाखों में						आलोच्य वर्ष दिसम्बर, 2021 तक प्रगति (रू लाखों में)
		स्वीकृत राशि 2017–18	स्वीकृत राशि 2018–19	स्वीकृत राशि 2019–20	स्वीकृत राशि 2020–21	स्वीकृत राशि 2021–22	कुल स्वीकृत राशि	
1	**एस.के.एन. कृषि विश्वविद्यालय जोबनेर में**							
अ	एस.के.एन. कृषि विश्वविद्यालय जोबनेर में प्रशासनिक भवन का निर्माण का कार्य	648.00	586.82	128.67	–	–	1363.49	1125.76
2	**कृषि महाविद्यालय भरतपुर में**							
अ	महाविद्यालय भवन का निर्माण कार्य	201.88	200.00			–		
ब	गर्ल्स हॉस्टल का निर्माण कार्य	–	19.84	215.16	76.35	–	718.89	604.46
स	अधिष्ठाता निवास का निर्माण कार्य	–	5.66					
3	**कृषि महाविद्यालय फतेहपुर में**							
अ	महाविद्यालय भवन का निर्माण कार्य	201.88	200.00			–		
ब	गर्ल्स हॉस्टल का निर्माण कार्य	–	19.84	215.17	76.46	–	718.59	470.66
स	अधिष्ठाता निवास का निर्माण कार्य	–	05.24					
4	**कृषि महाविद्यालय लालसोट में**							
अ	अधिष्ठाता व अन्य निवास का निर्माण कार्य	–	92.68	–	–	–	361.25	305.72
ब	चार दिवारी का कार्य	117.00	–	–	–	–	117.00	72.16
स	इन्फ्रास्ट्रक्चर विकास का कार्य	35.87	86.00	–	23.00	–	144.87	85.68
द	अकादमिक ब्लॉक–II का कार्य	244.89	170.25	23.00	–	–	438.14	61.22
5	कृषि अनुसंधान संस्थान दुर्गापुरा में गर्ल्स हॉस्टल का निर्माण कार्य	–	48.78	–	–	–	–	137.58
	कुल	**1449.52**	**1435.11**	**582.00**	**175.81**	–	**3862.23**	**2863.24**

2. बजट मद – राष्ट्रीय कृषि विकास योजना

क.सं.	कार्य का नाम	उपलब्ध राशि रू लाखों में					आलोच्य वर्ष दिसम्बर, 2019 तक प्रगति (रू लाखों में)
		स्वीकृत राशि 2018–19	स्वीकृत राशि 2019–20	स्वीकृत राशि 2020–21	स्वीकृत राशि 2021–22	कुल स्वीकृत राशि	
1	एस के एन कृषि महाविद्यालय जोबनेर में मदर प्लांट नर्सरी हेतु सोयल मिडिया स्ट्रलाईजेशन युनिट का निर्माण कार्य	–	–	3.00	–	3.00	2.46
2	एस के एन कृषि महाविद्यालय जोबनेर में लाइव स्टॉक हाउसिंग का निर्माण कार्य	61.91	–	–	–	61.91	61.91
	कुल	**61.91**		**3.00**	–	**64.91**	**64.37**

3. बजट मद – भारतीय कृषि अनुंसधान परिषद (उच्च कृषि शिक्षा के सुदृढीकरण एवं विकास)

क.सं.	कार्य का नाम	उपलब्ध राशि रू लाखों में					आलोच्य वर्ष दिसम्बर, 2019 तक प्रगति (रू लाखों में)
		स्वीकृत राशि 2018–19	स्वीकृत राशि 2019–20	स्वीकृत राशि 2020–21	स्वीकृत राशि 2021–22	कुल स्वीकृत राशि	
1	एस के एन कृषि महाविद्यालय जोबनेर में कन्या छात्रावास के निर्माण का कार्य	180.00	–	130.00	–	310.00	96.47
2	एस के एन कृषि महाविद्यालय जोबनेर में SC लाभार्थियों के लिए आवासीय सुविधा के साथ कौशल विकास/प्रशिक्षण केन्द्र निर्माण का कार्य	–	–	63.78	–	63.78	26.04
	कुल	**180.00**	–	**193.78**	–	**373.78**	**122.51**

4.बजट मद – अन्य

क.सं.	कार्य का नाम	उपलब्ध राशि रू लाखों में					आलोच्य वर्ष दिसम्बर, 2019 तक प्रगति (रू लाखों में)
		स्वीकृत राशि 2018–19	स्वीकृत राशि 2019–20	स्वीकृत राशि 2020–21	स्वीकृत राशि 2021–22	कुल स्वीकृत राशि	
1	एस.के.एन. कृषि महाविद्यालय जोबनेर में सरस्वती भवन के रिनोवेशन का कार्य	–	–	50.00	–	50.00	33.07
2	7 – CSA-148 श्यामा प्रसाद मुखर्जी रबन मिशन के तहत् ए.आर.एस. एवं के.वी.के. नवगांव में मीटिंग/ट्रेनिंग हॉल एवं फार्मर हॉस्टल निर्माण का कार्य	–	–	129.00	–	129.00	103.81
3	कृषि विज्ञान केन्द्र, नवगांव, अलवर में रिवॉल्विंग फण्ड के तहत् चार दिवारी के निर्माण का कार्य	–	–	19.20	–	19.20	15.10
4	एस के एन कृषि व्यवसायिक प्रबन्धन महाविद्यालय जोबनेर में चार दिवारी के निर्माण का कार्य	–	–	26.60	–	26.60	26.55
5	7–टी–21 के तहत कृषि अनुसंधान संस्थान दुर्गापुरा में सीड हब का निर्माण कार्य	–	–	35.00	–	35.00	9.53
	कुल	–	–	**259.80**	–	**259.80**	**188.06**

5.कृषि शिक्षा

श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर के संघटक तेरह महाविद्यालय हैं, जिसमे से 11 कृषि महाविद्यालय है जो जोबनेर, लालसोट (दौसा), कुम्हेर (भरतपुर), फतेहपुर–शेखावाटी (सीकर), नवगांव (अलवर), कोटपुतली, बसेड़ी (धौलपुर), किशनगढबास, (अलवर), भुसावर (भरतपुर), झिलाई–निवाई–(टोंक), पीथमपुरी–नीम का थाना (सीकर) में स्थापित है। इसके अलावा श्री क.न.कृ व्यवसाय प्रबन्धन, जोबनेर एवं डेयरी विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, जोबनेर–जयपुर में स्थित हैं। विश्वविद्यालय में स्नातक व स्नातकोत्तर स्तर पर अध्ययन पाठ्यक्रम चलाए जा रहे हैं। स्नातक पाठ्यक्रम में तेरह संघटक महाविद्यालयों में 715 सीटों पर प्रवेश दिया जाता है। जिसमें 20 भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली व 100 भुगतान सीटें भी शामिल है। स्नातकोत्तर स्तर का कार्यक्रम केवल श्री कर्ण

नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर में कुल 83 सीटों के साथ चलाया जा रहा है जिसमें 18 सीटें भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली की सम्मिलित हैं। विद्या–वाचस्पति पाठ्यक्रम भी कुल 44 सीटों के साथ श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर व राजस्थान कृषि अनुसंधान संस्थान–दुर्गापुरा (जयपुर) में चलाया जा रहा है। कृषि विश्वविद्यालय में स्नातक प्रवेश, राज्य स्तरीय सयुंक्त प्रवेश परीक्षा (JET) के द्वारा, स्नातकोत्तर व विद्या–वाचस्पति में प्रवेश के लिए राज्य स्तरीय परीक्षा के द्वारा प्रवेश दिया जाता है। शिक्षा के बारे में विश्वविद्यालय की महत्वपूर्ण उपलब्धियां निम्न तालिकाओं में दर्शायी गई हैं।

1. विश्वविद्यालय के संघटक महाविद्यालय में बी.एस.सी. (ऑनर्स) कृषि में अध्यनरत विद्यार्थियों की संख्या (शैक्षणिक सत्र–2021–22)

क्र.सं.	महाविद्यालय का नाम	पाठ्यक्रम का वर्ष				कुल
		I	II	III	IV	
1.	विश्वविद्यालय के संघटक महाविद्यालय	715	557	540	446	2258
2.	विश्वविद्यालय से सम्बद्ध महाविद्यालय					
अ	राजकीय कृषि महाविद्यालय	119	119	114	108	460
ब.	निजी कृषि महाविद्यालय	891	835	578	416	2720
	योग (2)	**1010**	**954**	**692**	**524**	**3180**
	कुल योग (1+2)	**1725**	**1511**	**1232**	**970**	**5438**

2. श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर के स्नातकोत्तर एवं विद्यावाचस्पति पाठ्यकम में विभिन्न विभागों में कुल स्वीकृत सीट व अध्यनरत छात्रों की संख्या (शैक्षणिक सत्र 2021–22)

क.सं.	विभाग का नाम	कुल स्वीकृत सीट		कुल अध्ययनरत विद्यार्थी	
		स्नातकोतर	विद्यावाचस्पति	स्नातकोतर	विद्यावाचस्पति
1.	शस्य विज्ञान	10	08	10	15
2.	पादप प्रजनन व आनुंवाशिकी	10	08	22	18
3.	उद्यान विज्ञान	10	08	20	23
4.	प्रसार शिक्षा	09	02	17	06
5.	कृषि अर्थशास्त्र	07	–	11	–
6.	मृदा विज्ञान व कृषि रसायन	08	02	14	06
7.	पौध व्याधि विभाग	08	08	16	21
8.	कीट विज्ञान	07	08	16	21
9.	पादप कार्यिकी विभाग	05	–	15	–
10.	पशुधन उत्पादन व प्रबंधन	05	–	10	–
11.	सूत्रकृमि विभाग	04	–	01	–
	कुल योग	83	44	163	110

3. श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर में विभिन्न पाठयक्रमों में अध्ययनरत छात्रों की वर्गवार संख्या

वर्ग	शैक्षणिक सत्र 2020–21			शैक्षणिक सत्र 2021–22		
	पुरूष	महिला	कुल	पुरूष	महिला	कुल
सामान्य	325	260	585	347	304	651
अनुसूचित जाति	177	81	258	228	94	322
अनुसूचित जनजाति	112	48	160	136	76	208
अन्य पिछड़ा वर्ग	663	360	1023	716	421	1137
विशेष पिछड़ा वर्ग	34	22	56	43	24	67
विकलांग	16	05	21	19	07	26
अल्पसंख्यक	07	14	21	16	25	41
आर्थिक पिछडा वर्ग	20	07	27	33	07	40
सैनिक कोटा	13	23	36	18	21	39
कुल	**1367**	**820**	**2187**	**1559**	**972**	**2531**

कुल छात्रों में महिला छात्रों का अनुपात 2020–21 में 37.49 प्रतिशत एवं 2021–22 में 38.40 प्रतिशत रहा।

4. विश्वविद्यालय के संघटक महाविद्यालयों में स्थित छात्रावास व उनकी क्षमता

क.सँ.	छात्रावास का नाम	क्षमता
अ	श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर	
1.	भाभा छात्रावास	103
2.	पी.जी. छात्रावास	88
3.	पाल छात्रावास	78
4.	नया (छात्रा) छात्रावास	76
5.	रमण छात्रावास	99
6.	गर्ल्स छात्रावास	117
	कुल	**561**
ब	**कृषि महाविद्यालय, लालसोट (दौसा)**	
1.	अरावली छात्रावास	64
2.	विध्यांचल छात्रावास	28
3.	महिला छात्रावास (निर्माणाधीन)	40
	कुल	**132**
स	**कृषि महाविद्यालय, फतेहपुर–शेखावाटी (सीकर)**	
1.	महिला छात्रावास	44
2.	स्टाफ क्वार्टर	16
	कुल	**60**

द.	**कृषि महाविद्यालय, भरतपुर**	
1.	महिला छात्रावास	24
	कुल	**24**
य.	**रा.कृ.अ.सं., दुर्गापुरा, जयपुर**	
1.	महिला छात्रावास –1	10
2.	महिला छात्रावास –2	6
3.	छात्र छात्रावास –1	4
4.	छात्र छात्रावास –2	4
	कुल	**24**
	कुल योग	**801**

छात्रावास का निर्माणः कृषि महाविद्यालय, लालसोट, कृषि महाविद्यालय, भरतपुर एवं एस.के.एन. कृषि महाविद्यालय, जोबनेर में छात्राओं के लिए नवीन छात्रावास का निर्माण प्रगति पर है। कृषि महाविद्यालय, फतेहपुर में नवीन छात्रावास में छात्राओं ने रहना शुरू कर दिया है। कृषि महाविद्यालय, गोनेड़ा (कोटपूतली), बसेड़ी (धौलपुर), नौगांव (अलवर) एवं किशनगढबास (अलवर) में छात्रावास की स्वीकृति इसी वर्ष प्राप्त हुई है, जिनका निर्माण कार्य अतिशीध्र प्रारंम्भ किया जायेगा।

5. श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर के संघटक महाविद्यालयों में छात्रवृतियां 2020–21 व 2021–22

क्र. सं.	विभाग का नाम	शैक्षणिक सत्र 2020–21				शैक्षणिक सत्र 2021–22			
		स्नातक	स्नातकोतर	विद्यावाचस्पति	कुल	स्नातक	स्नातकोतर	विद्यावाचस्पति	कुल
1	छात्राएं	613	53	20	686	334	32	21	387
2	अनुसूचित जाति	179	18	6	203	121	20	8	149
3	अनुसूचित जनजाति	113	05	6	124	87	6	8	101
4	अन्य पिछडा वर्ग	12	–	–	12	–	–	–	–
5	अल्प सँख्यक	–	–	–	–	8	–	–	8
6	विशेष पिछड़ा वर्ग	10	–	–	10	–	–	–	–
7	आर्थिक पिछड़ा वर्ग	06	–	–	06	–	–	–	–
8	राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (ICAR)	07	–	–	07	04	–	–	04
9	देवनारायण स्कूटी योजना	–	–	–	–	04	–	–	04
10	अन्य	15	–	–	15	10	–	–	10
	कुल	**955**	**76**	**32**	**1063**	**568**	**58**	**37**	**663**

शैक्षणिक सत्र 2021–22 में छात्रवृति का कार्य प्रक्रियाधीन है।

उपलब्धियां

÷ **नए महाविद्यलयों की स्थापना** – प्रतिवेदन वर्ष के दौरान राज्य सरकार की बजट अनुशंसा के अनुसार तीन कृषि महाविद्यालय क्रमश– भुसावर–वैर (भरतपुर), झिलाई (टोंक) व पीथमपुरी (सीकर) एवं एक डेयरी विज्ञान एवं प्रौधोगिकी महाविद्यालय (जोबनेर) इसी शैक्षणिक सत्र से प्रारंम्भ करके छात्रों को प्रवेश दे दिया गया है।

÷ **राष्ट्रीय कृषि उच्चतर शिक्षा परियोजना** – आई.सी.ए.आर., नई दिल्ली से विश्व बैंक पोषित इस परियोजना हेतु 23.89 करोड की राशि स्वीकृत हुई है। इस परियोजना द्वारा हमारे कृषि स्नातको में दक्षता विकास करके विश्वस्तरीय प्रतिस्पर्धा हेतु तैयार हो रहे है। इस योजना में छात्रों के लिये विभिन्न गतिविधियों जैसेः कृषि सबंधित वेबीनार, अतिथि व्यख्यान, भाषा प्रवीणता आदि की जानकारी दी जा रही है। इस योजना के तहत् महाविद्यालयों की प्रयोगशालाओं का आधुनिकीकरण किया गया है, जिससे अनसंधान की गुणवत्ता में सुधार हुआ है।

÷ **वेबीनार का आयोजन** – आलोच्य वर्ष के दौरान अधिकतर समय कोरोना महामारी से ग्रसित रहा। इस दौरान विश्वविद्यालय द्वारा कृषि एवं सबंधित विषयों पर देश एवं विदेश के ख्याति प्राप्त वैज्ञानिकों ने व्याख्यान वेबीनारों के माध्यम से प्रेषित किये। इस दौरान 48 वेबीनार आयोजित हुए जिनमें विश्व खाद्य पुरूस्कार विजेता वैज्ञानिक डॉ. रतनलाल, पद्म भूषण डॉ. आर.एस. परोदा आदि ख्यातिनाम वैज्ञानिकों के व्याख्यान समेकित है। इन वेबीनारो के माध्यम से देश–विदेश के उत्कर्ष संस्थानों के साथ कार्य करने का तथा बहु विषय पर विचार विमर्श कर उच्च शिक्षा में गुणवत्ता लाने के साथ समय का समूचित उपयोग किया गया।

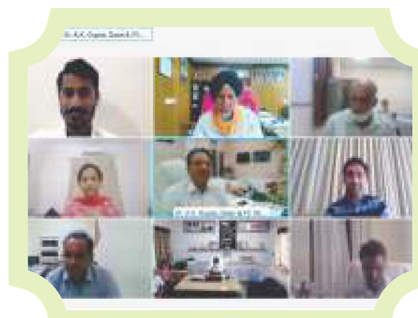

÷ **स्मार्ट एवं वर्चुअल क्लासरूम** – उच्च शिक्षा में गुणवत्ता तथा उपयोगिता बढाने के लिये श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय के विभिन्न कृषि महाविद्यालयों में 25 स्मार्ट क्लासरूम एवं 12 वर्चुअल क्लासरूम स्थापित किये गये हैं। ये स्मार्ट एवं वर्चुअल क्लासरूम इन्टरैक्टिव पैनल, दृष्य श्रव्य साधनों, इन्टरनेट एवं सुविधाजनक फर्नीचर से सुसज्जित किये गये है, जो कि छात्र केन्द्रित सुगम एवं सरल भाषा में शिक्षा प्रदान करने में सहायक होंगे। ये क्लासरूम छात्र सहभागिता से विषय साम्रगी पर चर्चा करने में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करेंगे। ये कदम अपने आप में अद्वितीय है।

÷ **इन्टरनेट सुविधा** – मानव संसाधन विकास मंत्रालय भारत सरकार के माध्यम से विश्वविद्यालय कैम्पस एवं श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर में एन.के.एन. 100 एम.बी.पी.एस. उच्च गति क्षमता इन्टरनेट की सुविधा

उपलब्ध है। राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा परियोजना के माध्यम से कृषि महाविद्यालय, लालसोट में 100 एम.बी.पी.एस. इन्टरनेट की सुविधा उपलब्ध है। कृषि महाविद्यालय, नवगांव, कुम्हेर (भरतपुर) एवं कोटपुतली में भारत संचार निगम लिमिटेड के ब्रॉडबेन्ड इन्टरनेट की सुविधा उपलब्ध करवायी गई है।

÷ **समझौता अनुबंध**—विश्वविद्यालय ने शिक्षा व शोध में गुणवत्ता बढ़ाने एंव विश्वविद्यालय में कार्यरत शिक्षकों एवं अध्ययनरत छात्रों में संसर्गता (Exposure) बढाने हेतु राष्ट्रीय संस्थाओं के साथ समझौता अनुबंध किया गया है। इन संस्थाओं में प्रमुख भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली, महर्षि अरविन्द विश्वविद्यालय, जयपुर, ग्लोबल विश्वविद्यालय, वाटिका, जयपुर, जगन्नाथ विश्वविद्यालय, जयपुर, सुरेश ज्ञान विहार विश्वविद्यालय, जगतपुरा, विवेकानन्द ग्लोबल विश्वविद्यालय, जयपुर एवं बी. लाल इन्स्टीट्यूट ऑफ बायोटेक्नोलॉजी, जयपुर हैं। इन समझौता अनुबंध के तहत् विश्वविद्यालय, जोबनेर में अध्ययनरत छात्रों को विश्वस्तरीय शोध संस्थानों में शोध करने का अवसर प्राप्त होगा। साथ ही संसाधन विकास, कौशल प्रशिक्षण, प्लेसमेंट, संसाधन का सहभाजन एंव आई.पी.आर. मुद्दों में सहयोग प्राप्त हो सकेगा।

÷ **आधुनिक सूत्रकृमि प्रयोगशाला की स्थापना** – श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर में आधुनिक सूत्रकृमि प्रयोगशाला की स्थापना की गई। राजस्थान की बलुई दोमट भूमि में सूत्रकृमि का संक्रमण अधिक होता है, साथ ही संरक्षित कृषि में इनका संक्रमण बहुतायत में पाया जाता है। अतः इस प्रयोगशाला की स्थापना से मृदा परीक्षण द्वारा सूत्रकृमियों की जनसंख्या का परीक्षण करना आसान होगा। यह विभाग छात्रों के साथ–साथ किसानों एंव इन पर अनुसंधान करने हेतु लाभकारी होगा।

÷ इस वर्ष स्नातकोत्तर व विद्यावाचस्पति पाठ्यक्रम में डिग्री प्राप्त कर चुके विद्यार्थियों की संख्या निम्न प्रकार है–

पाठ्यक्रम	स्वीकृत व मूल्यांकित थिसिस	मूल्यांकन हेतु थिसिस प्रेषित
स्नातकोत्तर	5	74
विद्यावचस्पति	11	20
योग	**16**	**94**

÷ **पुस्तकालय**—केन्द्रीय पुस्तकालय द्वारा ऑनलाईन डिजिटल सेवा के तहत् विश्वविद्यालय से सम्बंधित 2451 शोधग्रंथ, प्रश्न पत्र, मेंनुअल, शोध–पत्र, कृषि समाचार एवं अन्य डिजिटल सामग्रियों को कृषि कोश पोर्टल; आई.सी.ए.आर. (http://krishikosh.egranth.ac.in/handle/1/84614) पर अपलोड कर सभी पाठकों को सुविधा प्रदान की जा रही है। आई.सी.ए.आर. द्वारा डिजिटलीकरण योजना के अन्तर्गत पुस्तकालय दस्तावेज की सूची को ऑनलाईन किया गया है जिसे http://14.139.51.40/ वेबलिंक के माध्यम से कोहा केटलॉग (वेबओपेक) की सुविधा सभी पाठकों को सुचारू रूप से दी जा रही है जिसके अन्तर्गत 58177 प्रविष्टिया कोहा सॉफ्टवेयर

वेबओपेक के द्वारा सभी संघटक कृषि महाविद्यालयों– जोबनेर, भरतपुर, लालसोट, फतेहपुर–शेखावाटी तथा राजस्थान कृषि अनुसंधान संस्थान, जयपुर में ऑनलाईन कैटलॉग प्रणाली लागू कर दिया गया है तथा विश्वविद्यालय पुस्तकालय आई.सी.ए.आर. के सर्वर से भी जुड़ गया है एवं आर.एफ.आई.डी. सिस्टम प्रणाली के अन्तर्गत 49972 पुस्तकों में आर.ऍफ.आई. रेडियो टैग्स लगा दिये गये है इस तरह पुस्तकालय पूर्ण रूप से डिजिटल हो गया है। आई.सी.ए.आर. डिजिटलीकरण योजना के अन्तर्गत सभी पाठकों को ई.रिर्सोसेस एवं सेरा (CeRa) प्रशिक्षण एवं ऑनलाइन वर्ल्ड ई–बुक्स लाइब्रेरी, 51 ई–बुक्स, ओपन एक्सेस जर्नल्स व डेटाबेस की सुविधा सभी पाठकों को उपलब्ध है। सेरा की सुविधा कृषि महाविद्यालय, लालसोट में उपलब्ध करवा दी गई है एवं कृषि महाविद्यालय, नवगांव में अति शीध्र उपलब्ध करवायी जायेगी।

÷ **अनुसूचित जाति अध्ययन कक्ष की स्थापना** – भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली की स्कीम के तहत् अनुसूचित जाति अध्ययन कक्ष श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर के उद्यान विज्ञान विभाग में स्थापित किया गया है, जिसका उपयोग अनुसूचित जाति के बेरोजगार युवा, विद्यार्थियों के कौशल विकास एवं विभिन्न प्रकार के प्रशिक्षण जैसे :– फल एवं सब्जियों का मूल्य संवर्धन, कम्प्युटर जानकारी एवं मशरूम उत्पादन तकनीक आदि हेतु किया जा रहा है।

6. छात्र कल्याण निदेशालय

छात्र कल्याण निदेशालय छात्रों के संपूर्ण व्यक्तिव विकास के लिये कार्य कर रहा है। इसके अन्तर्गत विभिन्न महाविद्यालयों में राष्ट्रीय सेवा योजना (एन.एस.एस), एन.सी.सी. एवं एन.एस.ओ. की शाखायें स्थापित की गई है। इस निदेशालय के अधीन खेलकूद बोर्ड के माध्यम से विश्वविद्यालय में खेलकूद की प्रतियोगिताएँ आयोजित की जाती है। सांस्कृतिक सचिव द्वारा विश्वविद्यालय में ललित कला, सांस्कृतिक कार्यक्रम तथा साहित्यिक प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता है। विश्वविद्यालय के एस.के.एन. कृषि महाविद्यालय, जोबनेर के प्रांगण में 21 जून, 2021 को विश्व योग दिवस के उपलक्ष्य पर समस्त कर्मचारियों ने योग किया। राष्ट्रीय कृषि विज्ञान अकादमी, नई दिल्ली के समन्वयन में अन्तर विश्वविद्यालय क्षेत्रिय स्तर की वक्तृत्व कला प्रतियोगिता 27 अक्टूबर, 2021 को आयोजित की गयी। जिसमें 11 विश्वविद्यालयों ने भाग लिया जिनमें से दो विजेता का चयन बनारस हिन्दु विश्वविद्यालय, वाराणसी में राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित होने वाली प्रतियोगिता के लिए किया गया।

राष्ट्रीय सेवा योजनाः विश्वविद्यालय के संघटक महाविद्यालयों में राष्ट्रीय सेवा योजना की 13 इकाइयॉ कार्यरत है। विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना की विभिन्न ईकाइयों द्वारा हर वर्ष की भांति सात दिवसीय विशेष शिविर एवं पॉच एक दिवसीय शिविर आयोजित किये गये। विभिन्न इकाइयों द्वारा विश्व जल दिवस, अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस, आजादी का अृमत महोत्सव, महात्मा गांधी जयंती, शहीद दिवस, जन सुरक्षा पखवाडा, राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा सप्ताह, विश्व स्वास्थ्य दिवस, संविधान दिवस, नेताजी सुभाष चन्द्र बोस जंयती, बसंत पंचमी आदि कार्यक्रम आयोजित किये गये। समय– समय पर लोगों में कोविड के बारे में जानकारी तथा टीकाकरण के प्रति जागरूकता के लिए प्रेरित किया। स्वंय सेवको का आई गोट हैल्थ मोड्युल तथा आरोग्य सेतु ऐप पर पंजीकरण किया गया तथा दीक्षा पोर्टल द्वारा बेसिक ऑफ कोविड–19 तथा क्वॉरनटाइन एवं आइसोलेसन विषय पर ऑनलाइन प्रशिक्षण प्राप्त किया गया। विभिन्न इकाइयों के माध्यम से "गाइडेन्स फॉर साइक्लोजीकल काउसलिंग एण्ड हेल्पिंग स्किल" पर ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन कर कोविड के बारे में प्रशिक्षण तथा कोविड प्रभावित जिलों में सेवा कर अमुल्य योगदान देने के प्रति प्रेरित किया गया। कोविड संक्रमण के द्वौरान राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वंय सेवको नें वृक्षारोपण किया तथा लोगों को भी वृक्षारोपण के लिए प्रेरित किया। स्वच्छ भारत अभियान के तहत संघटक महाविद्यालयों की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाइयों ने साफ–सफाई पर विशेष जोर देकर, लोगों को सफाई के प्रति जागरूक करने के लिए प्रेरित किया। सार्वजनिक स्थलों पर स्वंय सेवको नें साफ–सफाई कर श्रमदान किया।

एन.सी.सी. इकाईः

÷ 31 कैडिटस ने श्री भवानी निकेतन पी.जी. महाविद्यालय, जयपुर में सयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण कैम्प में 18–21 फरवरी, 2021 में भाग लिया।

÷ 30 कैडिटस ने श्री भवानी निकेतन पी.जी. महाविद्यालय, जयपुर में संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण कैम्प में 24 अगस्त–02 सितम्बर, 2021 में भाग लिया। इस कैम्प में कैडिटस ने 04 मेडल प्राप्त किये। फायरिंग प्रतियोगिता में पुनम जाखड ने गोल्ड मेडल एवं संजु चौधरी ने सिल्वर मेडल प्राप्त किया तथा मोनिका गुर्जर एवं काजल यादव ने समुह नृत्य में सिल्वर मेडल प्राप्त किये।

÷ वार्षिक प्रशिक्षण कैम्प, जयपुर में 07–16 सितम्बर, 2021 में आयोजित हुआ। जिसमें 29 कैडिटस ने भाग लिया एवं 16 मेडल प्राप्त किये। एकल नृत्य में निशच्य असिजा, श्रीचन्द सैनी और ज्योति सोनी ने गोल्ड मेडल प्राप्त कियें। वाद–विवाद प्रतियोगिता में रक्षिता एवं ज्योति सोनी ने गोल्ड मेडल प्राप्त किये। समुह नृत्य में फायरिंग प्रतियोगिता में ज्योति खोखर, मनीषा चौधरी, पुजा ताखर एवं प्रियंका कुमावत ने सिल्वर मेडल प्राप्त कियें। जबकि दिपिका खीचड़, अमिषा चौधरी और राखी शर्मा ने कांस्य मेडल प्राप्त किया।

÷ प्री–आर डी कैम्प के लिए 03 एन.सी.सी. कैडिटस् रक्षिता, अमिषा एवं पूनम जाखड का चयन हुया।

÷ एन.सी.सी. कैडिट्स द्वारा ऑनलाइन माध्यम से कोविड के बारे में जागरूकता कैम्प का आयोजन।

÷ श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर द्वारा आयोजित कृषि मेले (22–26 फरवरी–2021) में 19 कैडिट्स ने अपनी सेवाये दी।

÷ 31 कैडिटस ने 03 अप्रेल, 2021 को बी सर्टिफिकेट के लिए चयन प्रक्रिया में भाग लिया।

÷ कोरोना महामारी के दौरान सेवा विषय पर ऑनलाइन माध्यम द्वारा 17 कैडिट्स (10 छात्राओं एवं 07 छात्रों) नें कमाडिंग आफिसर के निर्देशानुसार प्रशिक्षण में भाग लिया।

÷ 23 कैडिटस ने ऑनलाइन माध्यम द्वारा विश्व योग दिवस कार्यक्रम (21 जून, 2021) में भाग लिया।

÷ सभी कैडिटस द्वारा ऑनलाइन माध्यम से महात्मा गांधी जयंती, कारगिल विजय दिवस तथा सविधान दिवस मनाया तथा टीकाकरण के प्रति प्रेरित किया।

अभिविन्यास कार्यक्रम का आयोजन : सभी संघटक कृषि महाविद्यालयों में नवीन छात्र–छात्राओं का अभिविन्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

प्लेसमेंन्ट इकाई: प्लेसमेंट इकाई द्वारा छात्रों के अधिक प्लेसमेंट के लिए कइ वार्ताओं तथा वर्कशॉप का आयोजन किया गया। इस वर्ष एस.के.एन. कृषि महाविद्यालय, जोबनेर, कृषि महाविद्यालय, लालसोट एवं कृषि महाविद्यालय, भरतपुर के 10 छात्र–छात्राओं को JRF तथा 14 छात्र–छात्राओं का NET में चयन हुआ। जबकि संघटक कृषि महाविद्यालय के देश के विभिन्न कृषि विश्वविद्यालय में उच्च शिक्षा M.Sc.-63 तथा Ph.D-21 के लिए चयन हुए। इस वर्ष संघटक कृषि महाविद्यालय के 54 छात्र–छात्राओं को सरकारी (51) एवं निजी (03) संस्थानों में रोजगार के अवसर प्रान्प्त हुऐ।विटेरा इंडिया प्रा. लि., मुम्बई द्वारा रिर्सच एनालिस्ट के पद के लिए कैम्पस प्लेसमेंन्ट का आयोजन दिनांक 15 नवम्बर, 2021 को किया गया । जिसमे विश्वविद्यालय के छात्र राकेश चौधरी का चयन हुआ। कोर्टीवा एग्री साइनस, राजस्थान द्वारा दिनांक 10 दिसम्बर, 2021 को कैम्पस प्लेसमेंन्ट का आयोजन किया।

केरियर डवलपमेंट सेन्टर : केरियर डवलपमेंट सेन्टर, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर द्वारा विभिन्न विषयों पर 15 ऑनलाइन वेबीनार तथा 15 कार्यशाला / प्रशिक्षण का आयोजन कर छात्र–छात्राओं की रोजगार दक्षता सुधार से संम्बधित जानकारी दी ।

विटेर्रा इंडिया प्राइवेट लिमिटेड द्वारा अधिक प्लेसमेंट कैसे पायें विषय पर वर्कशाप का आयोजन

7. अनुसंधान निदेशालय

श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर का अनुसंधान निदेशालय विश्वविद्यालय के सभी अनुसंधान केन्द्र तथा उपकेन्द्रों में हो रहे अनुसंधान के उद्देश्यों की कार्य योजना की निगरानी एवं मूल्यांकन की भूमिका निभाता है। इस विश्वविद्यालय के क्षेत्राधिकार में दो कृषि अनुसंधान केन्द्र, फतेहपुर–शेखावाटी (सीकर) व नवगॉव (अलवर), एक राजस्थान कृषि अनुसंधान संस्थान – दुर्गापुरा, जयपुर एवं चार कृषि अनुसंधान उपकेन्द्र, तबीजी (अजमेर), कुम्हेर (भरतपुर), गोनेड़ा (कोटपूतली) व डिग्गी (टोंक) आते हैं। विश्वविद्यालय की सभी संघटक इकाईयों द्वारा किसानों के लिए नई तकनीकियों का विकास एवं उत्तम बीज उत्पादन किया जा रहा है।

विश्वविद्यालय में अनुसंधान को गति प्रदान करने हेतु विभिन्न अनुसंधान परियोजनाएं कार्यरत है इनके अर्न्तगत विभिन्न फसलों की उन्नत किस्मों, उत्पादन व पौध संरक्षण तकनीकें एवं जलवायु परिवर्तन आधारित प्रोधौगिकी के विकास हेतु अनुसंधान सतत् प्रक्रियारत है।

अखिल भारतीय समन्वित /नेटवर्क अनुसंधान परियोजना :– विश्वविद्यालय के विभिन्न केन्द्रों पर वर्तमान में 17 दीर्घावधी अखिल भारतीय समन्वित /नेटवर्क अनुसंधान परियोजनाएं कार्यरत है। इन परियोजनाओं के अन्तर्गत गेहूं, जौ, चना, मूँगफली, बाजरा, ग्वार, मूंग, उडद, मसूर, अरहर, राजमा, शुष्क क्षेत्रीय फल जैसेः– बेर, आंवला, लसोडा, बील आदि, मसाले वाली फसलें जैसेः– जीरा, धनिया, मैथी, सौफ एवं सब्जियां आदि फसलों पर अनुसंधान करने के साथ साथ समन्वित कृषि प्रणाली, सफेद लट एवं मृदा आर्थोपोड, कीटनाशी अवशेष, वानिकी, कृषि मौसम सेवा आदि विषयों पर सतत् अनुसंधान द्वारा नवीन किस्में, उन्नत उत्पादन एवं पौध संरक्षण तकनीकियां विकसित की जा रही है, जिसके परिणाम स्वरूप क्षेत्र के किसान लगातार लाभान्वित हो रहे है।

राष्ट्रीय कृषि विकास परियोजनाए :– विश्वविद्यालय में क्षेत्र विशेष हेतु विशिष्ट समस्याओं को ध्यान में रखते हुए राष्ट्रीय कृषि विकास योजनाएं बनाई जाती है। वर्ष 2020–21 में दो एवं 2021–22 में तीन राष्ट्रीय कृषि विकास योजनाएं विश्वविद्यालय को स्वीकृत की गई हैं। तरल ऑर्गेनिक फॉर्म्युलेशन का मानकीकरण और विशेषता, अर्द्ध शुष्क परिस्थितियों में महत्वपूर्ण सब्जियों के गुणवतायुक्त बीज का उत्पादन, कृषि में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के अनुप्रयोगों पर उत्कृष्टता केन्द्र, कृषि महाविद्यालय लालसोट फार्म का आधुनिकीकरण एवं मशीनीकरण, मशरूम उत्पादन तकनीक के माध्यम से आत्मनिर्भर ग्रामीण युवाओं के लिए कृषि उद्यमिता का विकास करना। ये परियोजनाएं श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर, कृषि महाविद्यालय, लालसोट एवं कृषि अनुसंधान केन्द्र नवगांव हेतु स्वीकृत हुई हैं।

परीक्षण प्रोजेक्ट :– विश्वविद्यालय द्वारा निजी क्षेत्र में कार्यरत कम्पनियों द्वारा उत्पादित कृषि उत्पाद, जैसे फसलों की किस्म, कीटनाशी, फफूंदनाशी आदि को इस क्षेत्र की जलवायु में परीक्षण किया जाता है। उनके परिणामों के आधार पर इन उत्पादों कों क्षेत्र में उपयोग लाने हेतु सिफारिश की जाती है। प्रतिवेदन वर्ष में 40 परीक्षण प्रोजेक्ट विश्वविद्यालय द्वारा संचालित किये गये हैं।

अन्य परीक्षण :– राष्ट्रीय स्तर के अनुसंधान संस्थानों पर हो रहे अनुसंधान एवं उन संस्थानों पर विकसित विभिन्न फसलों की नवीन किस्मों या तकनीकियों को बहु केन्द्रीय परीक्षण हेतु विश्वविद्यालय के विभिन्न अनुसंधान केन्द्रों पर प्रतिवेदन वर्ष के दौरान 21 परीक्षण प्राप्त हुए हैं।

उपलब्धियां

नवीन विकसित किस्में

किस्म | **लक्षण**

काबुली चना
सी.एस.जे. के.174
(कर्ण काबुली 4)

काबुली चने की राष्ट्रीय उन्नत प्रजाति "सी. एस. जे. के. 174 (कर्ण काबुली 4)" वर्ष 2021 में अखिल भारतीय समन्वित चना अनुसन्धान परियोजना द्वारा विकसित की गई इस किस्म की प्रमुख विशेषताएं निम्नलिखित है।

(1) मध्यम ऊँचाई के पौधे जिनके तनों पर फलियां अधिक संख्या में लगती हैं।

(2) इसके पकने की अवधि 99 (86–115) दिन होती है।

(3) यह किस्म औसतन 15 क्वि./है. उपज देती है।

(4) फली छेदक कीट के प्रकोप से कम प्रभावित होने के साथ– साथ उखटा एवं स्टंट वायरस रोग हेतु मध्यम प्रतिरोधक क्षमता रखती है।

(5) इसके दाने मोटे आकर्षक एवं मटमैले सफ़ेद रंग के होते हैं।

बाजरा
आर.एच.बी.–228

यह बाजरे की किस्म सम्पूर्ण राजस्थान के लिये चिन्हित की गई है। राजस्थान कृषि अनुसंधान संस्थान दुर्गापुरा द्वारा विकसित इस संकर किस्म का जनक ICMA 843.22 मादा एवं आर. आई. बी. 15S 076 नर के संयोग से किया है। इस किस्म के अनाज की औसत पैदावार लगभग 27 क्विंटल प्रति हैक्टेयर तथा सूखे चारे की पैदावार 43 क्विंटल प्रति हैक्टेयर है। सूखा प्रतिरोधक क्षमता वाली यह किस्म जोगिया रोगरोधी तथा शीघ्र पकने वाली (77 दिन) है। अच्छे फूटान वाली इस किस्म की ऊंचाई 182 सेमी. तथा रोयेदार सिट्टो की लम्बाई 22 सेमी. है।

तारामीरा
आर.टी.एम.-1624
(कृष्ण तारा)

यह किस्म बारानी परिस्थितियों में स्थिर एवम अनुकूल है तथा इस किस्म के बीज चमकदार तथा भूरे पीले रंग के हैं जिसमे तेल की मात्रा सर्वाधिक है। यह किस्म सफेद रोली के प्रति प्रतिरोधक तथा स्टेग हेड व तुलासिता रोग के प्रति मध्यम दर्जे की रोग रोधी हैं साथ ही इसमे चेंपा रोग के प्रकोप नहीं के बराबर होता है।

सौंफ
आर.एफ.–289

यह किस्म भारत के सभी सौंफ उगाने वाले क्षेत्रों के लिये उपयुक्त। इसके पौधों की लम्बाई 134–150 सेमी तक होती है। यह किस्म 140–150 दिन में पककर तैयार हो जाती है। बीज मोटे और आकर्षक होते हैं। 1000 बीजों का वजन 7.23 ग्राम होता है इसकी औसत उपज 1743 किग्रा/हेक्टेयर है। रामुलारिया तुषार के लिए मध्यम प्रतिरोधी है अल्टरनेरिया ब्लाइट, एफिड संक्रमण की तीव्रता अन्य किस्मों के बराबर है।

विकसित प्रौद्योगिकी, तकनीकी एवं सिफारिशें : प्रत्येक कृषि अनुसंधान केन्द्रों पर हर वर्ष दो प्री जर्क बैठकें की जाती है। जिनमें अनुसंधान केन्द्रों में होने वाले शोध कार्यो की समीक्षा की जाती है। इन समीक्षाओं के आधार पर जर्क बैठकें (वर्ष में 02) होती हैं। जिनमें विकसित प्रोधौगिकी पर चर्चा करने के उपरान्त इन्हें किसानों द्वारा अपनाने के लिए सिफारिशें स्वीकृत की जाती हैं। प्री जर्क व जर्क की ये बैठकें कृषि जलवायु क्षेत्रोंवार की जाती है। इस प्रतिवेदन वर्ष में सम्पन्न हुई प्री जर्क व जर्क की बैठकों का विवरण निम्न प्रकार है।

क्षेत्र	अनुसंधान केन्द्र	प्री–जर्क बैठके		जर्क बैठके	
		खरीफ, 2021	रबी 2021	खरीफ 2021	रबी 2021
द्वितीय–ए	कृषि अनुसंधान केन्द्र, फतेहपुर–शेखावटी	19 फरवरी, 2021	18 अगस्त, 2021	8–9 अप्रैल, 2021	2–3 सितम्बर, 2021
तृतीय–ए	राजस्थान कृषि अनुसंधान संस्थान, दुर्गापुरा	1–2 मार्च, 2021	3–4 अगस्त, 2021	17–18 मार्च, 2021	6–7 सितम्बर, 2021
तृतीय–बी	कृषि अनुसंधान केन्द्र, नवगॉव	10 मार्च, 2021	6 अगस्त, 2021	22 मार्च, 2021	16–17 अगस्त, 2021

इस प्रतिवेदन वर्ष में श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर के द्वारा निम्न तकनीकियों की सिफारिश की गई:

जोन–IIIA

1. बारानी क्षेत्र में बाजरे की जैविक खेती करने व अधिकतम शुद्ध आय प्राप्त करने हेतु नत्रजन की मात्रा को अनुमानित 12–15 टन प्रति हैक्टेयर (गोबर की खाद द्वारा जैव उर्वरक मिश्रण बायोमिक्स) 2–0 लीटर प्रति हैक्टेयर के साथ मिलाकर प्रति वर्ष बुवाई के दो सप्ताह पहले खेत में मिलाकर देवें।

2. ज्वार की फसल में खरपतवार के प्रबंधन हेतु खड़ी फसल में बुवाई के 15 से 20 दिन पश्चात टेंबोट्रीओन 42% एस.सी. शाकनाशी का 100 ग्राम सक्रिय तत्व 500 लीटर पानी में मिलाकर प्रति हेक्टेयर की दर से छिड़काव करें।

3. मूंगफली की फसल में खरपतवारों के प्रभावी नियंत्रण के लिए बुवाई के तुरन्त बाद पेण्डिमेथिलीन (30 प्रतिशत) + ईमिजाथापर (2 प्रतिशत) शाकनाशी एक किलोग्राम सक्रिय तत्व प्रति हैक्टेयर की दर से छिड़काव करें और 30 दिन बाद एक बार निराई–गुड़ाई करें अथवा बुवाई के तुरन्त बाद पेण्डिमेथिलीन (30 प्रतिशत) शाकनाशी एक किलो ग्राम सक्रिय तत्व प्रति हैक्टेयर की दर से छिड़काव करे और 30 दिन बाद एक बार निराई–गुड़ाई करें अथवा बुवाई के तुरन्त बाद पेण्डिमेथिलीन (30 प्रतिशत) शाकनाशी एक किलोग्राम सक्रिय तत्व प्रति हैक्टेयर की दर से छिड़काव के 15 से 20 दिन बाद ईमिजाथापर (2 प्रतिशत) शाकनाशी 75 ग्राम सक्रिय तत्व प्रति हैक्टेयर की दर से छिड़काव करें।

4. ग्वार की फसल में खरपतवारों के प्रभावी नियंत्रण के लिए जीरो टिलेज मशीन से बुवाई करने के तुरन्त बाद पेण्डिमेथिलीन (30 प्रतिशत) + ईमिजाथापर (2 प्रतिशत) (रेडीमिक्स) शाकनाशी एक किलोग्राम सक्रिय तत्व प्रति हैक्टेयर की दर से 500 लीटर पानी के साथ छिडकाव करें

5. मूंगफली की फसल में दीमक की रोकथाम के लिए इमिडाक्लोप्रिड 600 एफ.एस. का 6.5 मि.ली. अथवा फिप्रोनिल 5 एस.सी. का 10 मि.ली. प्रति किलो बीज की दर से बीजोपचार करके बुवाई करें।

6. सफेद लट्ट के भृंगों के नियंत्रण के लिए फिरोमोन मिथोक्सी बेन्जीन (एनीसोल) का धीरे–धीरे मुक्त होने वाला नेनो जेल सूत्रीकरण लगाने के 25 दिन बाद तक कारगर रहता है।

7. गेहूं की फसल में प्रत्येक 3 दिन के अन्तराल पर बूँद–बूँद सिंचाई प्रणाली से इस अवधि के कुल वास्तविक वाष्पन के 80 प्रतिशत भाग के बराबर पानी देना लाभदायक रहता है। इससे गेहूं में पारम्परिक सिंचाई विधि की तुलना में 26.66 प्रतिशत अधिक उत्पादकता के साथ 31.11 प्रतिशत जल की बचत भी होती है।

8. जौ की फसल में प्रत्येक 4 दिन के अन्तराल पर बूँद–बूँद सिंचाई प्रणाली से इस अवधि के कुल वास्तविक वाष्पन के 60 प्रतिशत भाग के बराबर पानी देना लाभदायक रहता है। इससे जौ में पारम्परिक सिंचाई विधि की तुलना में 24.12 प्रतिशत अधिक उत्पादकता के साथ 24.35 प्रतिशत जल की बचत भी होती है।

9. सरसों की फसल में प्रत्येक 5 दिन के अन्तराल पर बूँद–बूँद सिंचाई प्रणाली से इस अवधि के कुल वास्तविक वाष्पन के 60 प्रतिशत भाग के बराबर पानी देना लाभदायक रहता है। इससे सरसों में पारम्परिक सिंचाई विधि की तुलना में 32.26 प्रतिशत अधिक उत्पादकता के साथ 23.48 प्रतिशत जल की बचत भी होती है।

10. चना की फसल में प्रत्येक 6 दिन के अन्तराल पर बूँद–बूँद सिंचाई प्रणाली से इस अवधि के कुल वास्तविक वाष्पन के 40 प्रतिशत भाग के बराबर पानी देना लाभदायक रहता है। इससे चना में पारम्परिक सिंचाई विधि की तुलना में 22.73 प्रतिशत अधिक उत्पादकता के साथ 27.15 प्रतिशत जल की बचत भी होती है।

11. सौंफ की फसल में प्रत्येक 3 दिन के अन्तराल पर बूँद–बूँद सिंचाई प्रणाली से इस अवधि के कुल वास्तविक वाष्पन के 80 प्रतिशत भाग के बराबर पानी देना लाभदायक रहता है। इससे सौंफ में पारम्परिक सिंचाई विधि की तुलना में 27.73 प्रतिशत अधिक उत्पादकता के साथ 33.03 प्रतिशत जल की बचत भी होती है।

12. लसोड़ा/गूंदा (कॉर्डिया मिक्सा) के ऑल्टरनेरिया पत्ती धब्बा रोग प्रबंधन हेतु रोग के लक्षण दिखाई देते ही 'टेबुकोनाजोल 50% + ट्राइफ्लोक्सिस्ट्रोबिन' 25% (75 घुलनशील कण) का एक ग्राम प्रति लीटर या 'कार्बेन्डाजिम 12% मैन्कोजेब 63% का दो ग्राम प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर 20 दिन के अंतराल पर दो छिड़काव करें। अप्रैल से जून माह में फलावस्था के दौरान इन कवकनाशियों के छिड़काव से रोग नियंत्रण द्वारा अधिक फलोत्पादन व आर्थिक लाभ प्राप्त किया जा सकता है।

13. बुवाई पूर्व हाइड्रोजेल 5 किग्रा. प्रति हैक्टेयर के साथ सैलिसिलिक अम्ल 200 पी. पी. एम. (2 ग्राम 10 लीटर पानी) के दो छिड़काव क्रमशः फूल आने की अवस्था एवं फली बनने की अवस्था पर करने से सरसों की उपज में सकारात्मक वृद्धि होती है जिसके फलस्वरूप अधिकतम शुद्ध आय प्राप्त होती है।
14. चने की फसल में दीमक की रोकथाम के लिए इमिडाक्लोप्रिड 600 एफ. एस. का 5 मि.ली. प्रति किलो बीज की दर से बीजोपचार करके बुआई करें।
15. चने की खडी फसल में दीमक की रोकथाम के लिए इमिडाक्लोप्रिड 17.8 एस. एल. का 360 मि.ली. अथवा फिप्रोनिल 40%+ इमिडाक्लोप्रिड 40% मिश्रण का 500 ग्राम प्रति हैक्टेयर की दर से उपयोग करें।
16. बेर के छाल भक्षी कीट के प्रभावी प्रबन्धन के लिए इल्ली के द्वारा बनाये गये छिद्र में तार को चलाकर, प्रत्येक छिद्र में 2 मिली. नीम का तेल डालें एंव छिद्र को मिट्टी के द्वारा बन्द कर दें।
17. बुआई पूर्व प्रति हैक्टेयर 5 किग्रा हाइड्रोजेल के बाद 0 .5 प्रतिशत एन. पी. के. 19 :19 :19 (5 ग्राम लीटर पानी) के दो छिड़काव क्रमशः फूल आने की प्रारंभिक अवस्था (65 –70 दिन) एवं फली बनने (85–90 दिन) की अवस्था पर करने से चना की उपज एवं जल उपयोग दक्षता में सकारात्मक वृद्धि होती है, जिसके फलस्वरूप अधिकतम शुद्ध आय प्राप्त होती है।
18. सिफारिश की गई उर्वरकों की मात्रा के साथ चना के बीजों को तरल आधारित राईजोबियम, पीएसबी, गंधक तथा जिंक घोलक जैव उर्वरकों से 3–5 मिली/किलो बीज की दर से बीजोपचार करनें से चना फसल से अधिकतम उपज, शुद्व आय तथा लाभ लागत अनुपात प्राप्त होता है।
19. सिफारिश की गई उर्वरकों की मात्रा के साथ सरसों के बीजों को तरल एजोटोबेक्टर, पी.एस.बी. एवमं गंधक घोलक जैव उर्वरकों से बीजोपचार करने से सरसों की अधिकतम उपज, शुद्ध आय एवं अधिकतम लाभ लागत अनुपात प्राप्त होता है।
20. सिफारिश की गई उर्वरकों की मात्रा के साथ गेंहू के बीजों को तरल एजोटोबेक्टर, पी.एस.बी. एवमं गंधक घोलक जैव उर्वरकों से बीजोपचार करने से गेंहू की उपज, शुद्ध आय एवं अधिकतम लाभ लागत अनुपात प्राप्त होता है
21. तीन फसल वर्षों के आधार पर किसानों की आय बढ़ाने के लिए मूंगफली (हरीफली)–रबी प्याज फसल प्रणाली को अनुशंसित किया गया है।
22. काबुली चना में अनुकूलतम व उपानुकूलतम परिस्थितियों में बीज के रोपण मान को बढ़ाने के लिए बीजों को 20 डिग्री से0 तापमान वाले पानी में 4 घंटे भिगोकर सूखारोधी जीवाणु + बायोग्रो से कोटिंग करें।

जोन–IIIB

23. मूंग और बाजरे में एन.पी.के. 19:19:19 का 2% का पर्णीय छिडकाव की सिफारिश की गई है।
24. बाजरा : मूंग में 4:2 के अनुपात में अंतराशष्य प्रतिरूप की सिफारिश की गई।
25. बाजरे की नवीन विकसित किस्में जैसे पूसा कंपोजिट– 701, धनशक्ति, एच.पी.एम.एच.–21 और आर.एच.बी.–233 को अनुमोदित किया गया।
26. ज्वार की नवीन विकसित किस्में जैसे सी.एस.वी.–27, सी.एस.वी.–31 और राज विजय–1862 को अनुमोदित किया गया।
27. ग्वार की नवीन विकसित किस्म एच.जी.–884 को अनुमोदित किया गया।
28. तिल की किस्म एच.टी.–2 को अनुमोदित किया गया।
29. मूंग की नवीन विकसित किस्में जैसे एम.जे.एस.–118 और आर.एम.जी.–975 को अनुमोदित किया गया।
30. उड़द की नवीन किस्में जैसे प्रताप उर्द –1, प्रताप उर्द–2 और माश–479 को अनुमोदित किया गया।

31. मसूर में खरपवारनाशी ईमिजाथापर 50 ग्राम सक्रिय तत्व प्रति हेक्टर बुवाई के 35 दिनों उपरांत छिडकाव की सिफारिश की गयी।
32. गेंहू की फसल में दीमक प्रबंधन हेतु थायमेथोक्साम 70 प्रतिशत डब्ल्यू एस का 122 ग्राम सक्रिय तत्व प्रति हेक्टर की दर से बीज ड्रेसिंग की सिफारिश अनुमोदित की गयी।
33. गेंहू की फसल में माहू के प्रबंधन हेतु इमिडाक्लोप्रिड 17.8 प्रतिशत एस.एल. का 20 ग्राम सक्रिय तत्व प्रति हेक्टर की दर से छिडकाव की सिफारिश की गयी।

जोन–IIA

34. मूंग की फसल में लोहे की कमी वाले क्षेत्रों में बुवाई से पूर्व प्रति हेक्टर 20 किलोग्राम फेरस सल्फेट (19 प्रतिशत आयरन) दें या बुवाई के बाद 5 किलोग्राम प्रति हेक्टर 1000 लीटर पानी में घोल बनाकर छिडकें।
35. खरपतवार नियंत्रण हेतु ईमिजाथापर 10 प्रतिशत एस.एल. खरपतवानाशी का 80 ग्राम सक्रिय तत्व प्रति हैक्टर की दर से 500–600 लीटर पानी में घोल कर बुवाई के 25 दिन बाद खेत में समान रूप से छिडकाव करें अथवा बुवाई के 25 दिन बाद खेत में निराई गुडाई कर खरपतवार निकाल देवे व आवश्यकता पडने पर पुनः 15 दिन बाद निराई गुडाई करें।

बीज उत्पादन :

वर्ष	प्रजनक बीज			सत्य चिन्हित बीज		
	खरीफ	रबी	योग	खरीफ	रबी	योग
2014–15	135.75	2489.5	2625.25	–	–	–
2015–16	202.89	1475.72	1678.61	157.67	647.44	805.11
2016–17	460.38	2591.07	3051.45	229.67	854.28	1083.95
2017–18	349.78	2165.86	2515.64	240.24	962.62	1202.86
2018–19	317.34	3046.35	3363.69	277.28	1734.78	2012.06
2019–20	333.69	2602.89	2936.58	218.41	2463.65	2682.06
2020–21	382.70	2320.47	2703.17	382.40	1751.53	2133.93
कुल योग	**2182.53**	**16691.86**	**18874.39**	**1505.67**	**8414.3**	**9919.97**

अ. प्रजनक बीज उत्पादन–रबी 2020.21

क्र.सं.	फसल	किस्म	क्षेत्रफल (हेक्टेयर)	उत्पादन (क्विंटल)
1.	गेंहू	राज–4238, राज–4079, राज–4120, राज–4037, राज–3765, राज–3077, राज–1482	70.70	1622.41
2.	जौ	आरडी–2899, आरडी–2794, आरडी–2715, आरडी–2786, आरडी–2035, आरडी–2052	17.30	417.39
3.	तारामीरा	आर.टी.एम.–1351, आर.टी.एम.–1355	1.50	7.91
4.	काबुली चना	सी.एस.जे–515, आर.एस.जी–974	22.40	252.95
5.	धनिया	आर.सी.आर–435, आर.सी.आर–436	1.0	4.4
6.	सौंफ	आर.एम.टी.–1	1.0	8.41
7.	मसूर	आर.एल.जी–5	0.5	7.00
		कुल योग	**114.90**	**2320.49**

ब. प्रजनक बीज उत्पादन– खरीफ 2021

क्र.सं.	फसल	किस्म	क्षेत्रफल (हेक्टेयर)	उत्पादन (क्विंटल)
1.	ग्वार	आर.जी.सी–1033 आर.जी.सी–1038, आर.जी.आर–12.1 करण ग्वार, आर.जी सी–1066	10.8	84.27
2.	मूंग	एम.एस.जे–118, एम.एच–421, शिखा, आर.एम.जी–975, आई.पी.एम–02–3	12.5	51.04
3.	चंवला	आर.सी–19, आर.सी–101	4.00	14.00
4.	उड़द	एम.यू–2, प्रताप उड़द–1	4.00	7.60
5.	मूंगफली	आर.जी–510 (राज मूंगफली–1), आर जी–578 (राज मूंगफली–2), आर जी–559–3 (राज मूंगफली–3)	15.1	256.30
6.	बाजरा	आर.आई.बी–494 (आर.एच.बी–177), आर.आई.बी–192 (आर.एच.बी–173), आर.आई.बी– 3135–18 (आर.एच.बी–223), आर.आई.बी–15176 (आर.एच.बी–233)	2.00	7.98
		कुल योग	**57.55**	**382.70**

स. सत्य चिन्हित बीज उत्पादन (TFL)–रबी 2020.21

क्र.सं.	फसल	किस्म	क्षेत्रफल (हेक्टेयर)	उत्पादन (क्विंटल)
1.	सरसों	डी आर एम आर आई जे–31 (गिरिराज), बायो–902, आर.एच.–406, एन आर सी एच बी–101	50.10	450.76
2.	गेंहु	राज – 4238, राज – 3765, राज–3077, राज – 4079	23.05	450.61
3.	जौ	आर.डी. 2660, आर.डी. 2907, आर.डी. 2794, आर डी. 2786, आर.डी. 2052, आर. डी. 2899, आर.डी. 2035	34.85	799.03
4.	चना	सी.एस.जे 515, आर.एस.जी 973	3.50	23.69
5.	तारामीरा	आर टी एम 314	0.5	4.46
6.	मैथी	आर एम टी 1	4.40	22.98
	कुल योग		**116.40**	**1751.53**

द. सत्य चिन्हित बीज उत्पादन (TFL)—खरीफ 2021

क्र.सं.	फसल	किस्म	उत्पादन क्विंटल
1.	ग्वार	आर.जी.सी.—1003, आर.जी.आर.—12—1, आर.जी.सी.—1033, आर.जी.सी.—1066, आर.जी.सी.—1038	498.55
2.	मंगफली	टी.जी.—37 A	18.15
3.	मूंग	एम.एच.—421, शिखा, आई.पी.एम. 02—3, सम्राट, आर.एम.जी—492 एस.एम.एल.—832,	137.98
4.	उड़द	प्रताप उर्द	1.15
5.	चंवला	आर.सी—19, आर.सी—101	36.10
6.	तिल	आर.टी.—351	0.50
7.	भिंण्ड़ी	पूसा भिंण्ड़ी—5	1.15
8.	तुरई	पूसा नूतन	0.11
		कुल योग	**693.69**

÷ **सब्जी बीज उत्पादन कार्यक्रम** — विश्वविद्यालय के विभिन्न प्रक्षेत्रों पर सब्जियों में बीज उत्पादन कार्यक्रम प्रारम्भ किया गया है। इसके तहत् श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर के उद्यान विज्ञान प्रक्षेत्र एंव प्रसार शिक्षा निदेशालय के अधीन केरिया फार्म पर सब्जियों का बीज उत्पादन प्रारम्भ किया गया है। इन सब्जियों में प्रमुखतः लौकी, तुरई, भिण्डी, पालक, प्याज, चौला, ग्वार फली आदि सम्मलित हैं।

8. प्रसार शिक्षा निदेशालय

श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविधालय, जोबनेर के प्रसार शिक्षा निदेशालय का मुख्य उद्देश्य प्रशिक्षण, प्रदर्शन, कृषि सलाह व अन्य प्रसार माध्यमों से उन्नत एवं प्रभावी कृषि प्रौधोगिकी का हस्तान्तरण कर कृषि एवं ग्रामीण क्षेत्रों का संर्वागीण विकास करना है। प्रसार शिक्षा निदेशालय की दो मुख्य इकाईयां कृषि प्रौधोगिकी सूचना केन्द्र व प्रसार शाखा जोबनेर मुख्यालय पर कार्यरत हैं। प्रसार शिक्षा निदेशालय के क्षेत्राधिकार में राज्य के 8 जिले आते हैं जिनमें सात कृषि विज्ञान केन्द्र हैं जो निम्न स्थानों पर स्थित हैं।

1. कृषि विज्ञान केन्द्र, तबीजी, अजमेर
2. कृषि विज्ञान केन्द्र, दौसा
3. कृषि विज्ञान केन्द्र, कुम्हेर, भरतपुर
4. कृषि विज्ञान केन्द्र, गोनेड़ा— कोटपूतली, जयपुर
5. कृषि विज्ञान केन्द्र, नवगॉव, अलवर
6. कृषि विज्ञान केन्द्र, फतेहपुर, सीकर
7. कृषि विज्ञान केन्द्र, धौलपुर

अ. प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन

कृषि विज्ञान केन्द्र का नाम	प्रशिक्षण		प्रथम पंक्ति प्रर्दशनों का अयोजन		आयोजित परीक्षण (औएफटी)	
	सँख्या	लाभान्वित	क्षेत्रफल (हैक्टेयर)	लाभान्वित	संख्या	लाभान्वित
कृषि विज्ञान केन्द्र, कोटपुतली, जयपुर	29	454	228	595	5	50
कृषि विज्ञान केन्द्र, दौसा	62	1307	305	844	2	20
कृषि विज्ञान केन्द्र, कुम्हेर, भरतपुर	46	1426	54	135	3	32
कृषि विज्ञान केन्द्र, नवगॉव, अलवर	73	1484	140	603	6	60
कृषि विज्ञान केन्द्र, फतेहपुर, सीकर	64	1949	213	534	6	60
कृषि विज्ञान केन्द्र, तबीजी, अजमेर	82	1806	57	138	3	41
कृषि विज्ञान केन्द्र, धौलपुर	55	1739	177	556	3	22
प्रसार शिक्षा निदेशालय	33	1050	88	88	—	—
कुल	**444**	**11215**	**1262**	**3493**	**28**	**285**

केवीके, फतेहपुर

केवीके, दौसा

केवीके, धौलपुर

केवीके, अलवर

प्रशिक्षण कार्यक्रम

ब. कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा की गई अन्य प्रसार गतिविधियां–

कृषि विज्ञान केन्द्र का नाम	प्रक्षेत्र दिवस		विभिन्न दिवस व कार्यक्रम		किसान मेला		प्रर्दशनी	
	संख्या	लाभान्वित	संख्या	लाभान्वित	संख्या	लाभान्वित	संख्या	लाभाविनत
कृषि विज्ञान केन्द्र, कोटपूतली, जयपुर	7	243	14	575	–	–	–	–
कृषि विज्ञान केन्द्र, दौसा	5	153	5	206	01	3250	02	3369
कृषि विज्ञान केन्द्र, कुम्हेर, भरतपुर	5	180	10	1150	0	0	02	1300
कृषि विज्ञान केन्द्र, नवगॉव, अलवर	6	335	18	785	0	0	02	1264
कृषि विज्ञान केन्द्र, फतेहपुर, सीकर	05	207	9	587	–	–	–	–
कृषि विज्ञान केन्द्र, तबीजी, अजमेर	06	345	21	1407	01	402	01	402
कृषि विज्ञान केन्द्र, धौलपुर	1	35	1	245	–	–	–	–
प्रसार शिक्षा निदेशालय (पाँच दिवसीय किसान मेला आयोजित)					01	5000	60	5000
कुल	35	1498	78	4955	3	8652	67	11335

केवीके, फतेहपुर

केवीके, दौसा

केवीके, अलवर

केवीके, धोलपुर

प्रक्षेत्र दिवस

स. कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा की गई अन्य प्रसार गतिविधियां–

कृषि विज्ञान केन्द्र का नाम	रेडियो वार्ता/ टीवी वार्ता		कृषक भ्रमण		कृषक वैज्ञानिक संवाद	
	सँख्या	लाभान्वित	सँख्या	लाभान्वित	संख्या	लाभान्वित
कृषि विज्ञान केन्द्र, कोटपुतली, जयपुर	6	2	90	–	–	
कृषि विज्ञान केन्द्र, दौसा	5	–	0	0	02	60
कृषि विज्ञान केन्द्र, कुम्हेर, भरतपुर	0	0	6	350	–	–
कृषि विज्ञान केन्द्र, नवगॉव, अलवर	52	1560	52	1560	–	–
कृषि विज्ञान केन्द्र, फतेहपुर, सीकर	02	0	49	529	–	–
कृषि विज्ञान केन्द्र, तबीजी, अजमेर	0	0	38	587	–	–
कृषि विज्ञान केन्द्र, धौलपुर	0	0	78	2755	–	–
प्रसार शिक्षा निदेशालय	–	–	–	–	15	5000
(पाँच दिवसीय किसान मेला आयोजित) शिक्षा निदेशालय	01	0	33	6050	–	–
	66	**1560**	**258**	**11921**	**17**	**5060**

कृषक खेत परीक्षण, कृषि विज्ञान केन्द्र नौगांव

कृषक वैज्ञानिक संवाद, कृषि विज्ञान केन्द्र, फतेहपुर

किसानों के लिये खाद्य एवं पौषण, फतेहपुर

प्रशिक्षण कार्यक्रम में पुरस्कार वितरण

उपलब्धियां

- **पांच दिवसीय राज्य स्तरीय किसान मेला** – श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर के प्रसार शिक्षा निदेशालय द्वारा दिनांक 22 से 26 फरवरी, 2021 तक श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय प्रांगण में पाँच दिवसीय किसान मेले का आयोजन हुआ। यह किसान मेला श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर एंव आत्मा परियोजना, जयपुर के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित हुआ। जिसमें कृषि, पशुपालन, कृषि यांत्रिकी, कृषि उपकरणों, जैविक उत्पादों, खाद–उर्वरक तथा बीज विक्रेताओं, कृषि अनुसंधान केन्द्र व कृषि विज्ञान केन्द्रो की 60 स्टालों में कृषि प्रदर्शनी लगाई गयी। इन प्रदर्शनी में कृषि उद्यानिकी, पशु पालन, पौध संरक्षण, मूल्य संवर्धन, बीज उत्पादन आदि विषयों पर नवीन एवं अभिनव जानकारियाँ प्रदर्शित की गई। इस किसान मेले का उद्घाटन राजस्थान सरकार के कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री श्रीमान लालचन्द कटारिया के मुख्य आथित्य, श्रीमान् सुभाष गर्ग, तकनीकी शिक्षा मंत्री के विशिष्ट आथित्य एंव प्रो. जीत सिंह संधु, कुलपति, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ।

- **वैज्ञानिक सलाहकार समिति की वार्षिक बैठक :** प्रसार शिक्षा निदेशालय के क्षेत्राधिकार में राज्य के 8 जिले समाहित हैं जिनके सभी कृषि विज्ञान केन्द्रों पर निदेशालय द्वारा वैज्ञानिक सलाहकार समिति की वार्षिक बैठकों का केन्द्रों पर सफल आयोजन करवाके उनके कार्यो की समीक्षा करके निदेशक महोदय द्वारा उचित मार्गदर्शन दिया।
- **निदेशालय द्वारा त्रैमासिक न्यूज और व्यूज, मासिक पत्रिका "जोबनेर कृषि" एवं विश्वविद्यालय कलेण्डर और डायरी 2021 का प्रकाशनः** प्रत्येक की 1000 प्रतियॉ मुद्रित करवाकर कृषि विज्ञान केन्द्रों तथा कृषि अनुसंधान केन्द्र के वैज्ञानिकों को तथा कृषकों तक नवीनतम कृषि प्रौधोगिकी का प्रचार–प्रसार किया।

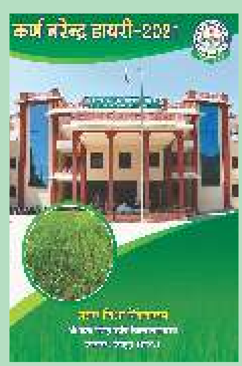

- **आदान विक्रेताओं का एक वर्षीय डिप्लोमा प्रशिक्षण कार्यक्रम सम्पन्न :** प्रसार शिक्षा निदेशालय द्वारा आदान विक्रेताओं का एक वर्षीय डिप्लोमा प्रशिक्षण कार्यक्रम सम्पन्न किया जिसमें जिले के 40 प्रशिक्षणार्थीयों ने भाग लिया।

- **सहजन (मोरींगा) पाउडर इकाई की स्थापना –** कृषि विज्ञान केन्द्र, तबीजी (अजमेर) पर सहजन मोरींगा की पत्तियों एंव फलियों के पाउडर बनाने की इकाई की स्थापना की है। सहजन के पौधों की पत्तियों एवं फलियों को किसानों से खरीदा जा रहा है एंव इनका पाउडर बनाकर एफ.पी.ओं के माध्यम से बाजार में बेचा जा रहा है। इसके अलावा कृषि विज्ञान केन्द्र तबीजी पर सहजन की किस्में पी.के.एम–1 एवं पी.के.एम.–2 का 1 एकड भूमि में बगीचा स्थापित किया है। इस तरह सहजन के पौधों की पत्तियों एंव फलियों से पाउडर बनाकर मूल्य संवर्द्धन किया जा रहा है।

- **मोबाईल ऐप –** किसानों को उनके मोबाइल पर घर बैठे ही मौसम सम्बन्धी, फसलों की किस्मों, फसलों में लगने वाले रोगों एवं उनकी रोकथाम एवं सरकारी योजनाओं के बारे में जानकारी प्राप्त कर किसान समुदाय एवं सरकारी अधिकारी लाभान्वित हो सकेगें। प्रो. जीत सिंह संधू, कुलपति, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर द्वारा 6 जनवरी, 2021 को कृषि विज्ञान केन्द्र अजमेर, फतेहपुर, अलवर, कोटपुतली, दौसा एवं वनस्थली में शुभारम्भ किया गया।

- **मृदा परीक्षण चल प्रयोगशाला वैन :–** किसानों के खेतों की मिट्टी का परीक्षण गॉवों में ही खेतों पर हो सके, इसी भावना को ध्यान में रखते हुए प्रसार शिक्षा निदेशालय ने 7 अप्रैल, 2021 को एक चलित मिट्टी परीक्षण वेन का शुभारम्भ किया। निदेशालय द्वारा आलोच्य वर्ष में मृदा परीक्षण वैन खरीदी गयी जिसके द्वारा आस पास के गाँवों, विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिये गए गाँवों तथा कृषि विज्ञान केन्द्रों पर किसानों को उनके खेतों पर मिट्टी के नमूने लेकर मृदा परीक्षण किये जायेगे साथ ही किसानों को फसल उर्वरक आदि की अनुशंसा भी प्रदान करेगी व उनको मृदा स्वास्थ्य कार्ड वितरित किये जायेंगे। दिनांक 05 दिसंबर 2021 को विश्व मृदा दिवस पर रोजड़ी गाँव में प्रसार शिक्षा निदेशालय द्वारा मृदा दिवस मनाया गया, जिसमें किसानों के खेतों की मिट्टी की जाँच निदेशालय की मृदा परीक्षण चल प्रयोगशाला वैन के द्वारा किये गये एवं किसानों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड भी उपलब्ध कराये गए।

- **कृषक श्री सुंडाराम वर्मा पदश्री आवार्ड से सम्मानित :** श्री सुंडा वर्मा कृषक भारत सरकार द्वारा पद्मश्री अवार्ड द्वारा सम्मानित किये गये। इस किसान ने विश्वविद्यालयों के वैज्ञानिकों द्वारा प्रदत्त तकनीकि ज्ञान से अपने खेतों पर कृषि क्षेत्र विशेष रूप से कम पानी में पौधों को जीवित रखने का कार्य सुचारू रूप से अपनाया।
- **बेस्ट इनोवेटिव फार्मर्स सम्मान –** भारत सरकार के कृषि एंव किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा श्री सुरेन्द्र अवाना एंव श्री गंगा राम सेपट को आई.ए.आर.आई इनोवेटिव अवार्ड द्वारा भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली में दिनांक 25 जनवरी, 2021 को सम्मानित किया गया। दोनों ही किसानों का निवास जोबनेर के समीप है तथा ये समय–समय पर विश्वविद्यालय के कृषि विशेषज्ञों से परामर्श लेकर कृषि की उन्नत पद्धतियों का ज्ञान प्राप्त करते रहे हैं। सुरेन्द्र अवाना को कार्बनिक कृषि एवं गंगा राम सेपट को स्ट्रॉबेरी की खेती में उत्कर्ष कार्यो हेतु सम्मानित किया गया।

- **मातृवृक्ष फलदार पौधरोपण कार्यकम :–** विश्वविद्यालय के निदेशालय द्वारा 2.0 हैक्टयर क्षेत्र में फलदार पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया जिसमें आम, अमरूद, जामुन, पपीता, अंजीर,मौसमी, किन्नू , सहजन एवं सीताफल इत्यादि के करीब 800 पौधों का पौधरोपण किया।
- **सोलर ऊर्जा एवं ड्रिप इरिगेशन सिस्टम द्वारा फसल एवं सब्जी उत्पादनः** विश्वविद्यालय के केरिया फार्म पर आलोच्य वर्ष में निदेशालय में स्थापित सोलर ऊर्जा सिस्टम से जोड़कर ड्रिप, माइक्रो एवं स्प्रिकलर इरिगेशन सिस्टम से समस्त फसलों के बीज एवं सब्जी उत्पादन किया गया।

- **मछली पालनः** निदेशालय ने वर्षा जल संग्रहित इकाई में रोहू, कटला, नरेन, सिल्वर कार्प आदि मछलियों का उत्पादन कर किसानों की आय बढ़ाने के लिये नयी दिशा देने के प्रयास किये गए।

- **आत्मा योजना के अंतर्गत प्रशिक्षण आयोजन :–** इस केलेण्डर वर्ष में निदेशालय द्वारा आत्मा योजना के अर्न्तगत दो दिवसीय 15 संस्थागत प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये गये। जिनमें जिले के 450 कृषकों एवं कृषक महिलाओं ने प्रशिक्षणों में भाग लिया।

- भारतीय कृषि कौशल परिषद द्वारा प्रायोजित 25 दिवसीय दक्षता आधारित प्रशिक्षण (कृषि प्रसार सेवा प्रदाता एंव डेयरी किसान उद्यमिता) दिनांक 03 से 27 मार्च 2021 निदेशालय द्वारा आयोजित किये गये।

- **विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिये गए गाँवों में विभिन्न कार्यक्रम आयोजनः–** विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिये गए गाँवों क्रमशः पचार एवं सुन्दरपुरा में प्रौढ़ शिक्षा, स्वच्छता कार्यक्रम, कोविड–19 टीकाकरण कार्यक्रम, योगा दिवस आदि कार्यक्रम आयोजित हुए हैं। इसके अलावा फलदार पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें 1000 फलदार पौधे लगाये गये।
- **सर्वश्रेष्ठ कृषि विज्ञान केन्द्र पुरस्कार :** कृषि विज्ञान केन्द्र, तबीजी, अजमेर को दिनांक 15 अगस्त, 2021 को स्वतंत्रता दिवस पर माननीय कुलपति महोदय द्वारा विश्वविद्यालय में सर्वश्रेष्ठ इकाई से सम्मानित किया गया।

कृषि विज्ञान केन्द्रों पर प्रर्दशन इकाईयां –

कृषि विज्ञान केन्द्र का नाम	प्रर्दशन इकाई का नाम	उत्पादन
कृषि विज्ञान केन्द्र, कोटपूतली, जयपुर	पौधशाला	41127 पौध
	बकरी पालन	7 बकरी
	नेपियर हरा चारा	110 पौध
	अजौला	34 किलो
	केंचुआ	93.19 किलो
	वेस्टडीकम्पोजर	5.5
	दूध	401.15 लीटर
कृषि विज्ञान केन्द्र, दौसा	केंचुआ खाद इकाई	
	अजोला इकाई	
	मदर ओर्चार्ड इकाई	
	नर्सरी इकाई	
	बकरी पालन इकाई	
कृषि विज्ञान केन्द्र, कुम्हेर, भरतपुर	केंचुआ खाद इकाई	200 किलोग्राम
	अजोला इकाई	100 किलोग्राम
	मदर ओर्चार्ड इकाई	रु. 44500
	नर्सरी इकाई	2000 पौध
	पशुपालन इकाई	रु. 15000 पोल्ट्री पक्षियों एवं अण्डों की बिक्री

कृषि विज्ञान केन्द्र, नवगॉव, अलवर	बकरी पालन इकाई	8 बकरी एवं 10 बकरे
	केंचुआ इकाई	10 किलोग्राम
	केंचुआ खाद इकाई	8 क्विंटल
	अजोला इकाई	40 किलोग्राम
	मदर ओर्चार्ड इकाई	52000 रू
	नर्सरी इकाई	109350 रू
	पशुपालन इकाई	
	गिर गाय इकाई	1 मादा बछडा
कृषि विज्ञान केन्द्र, फतेहपुर, सीकर	नर्सरी इकाई	80000 पौध
	कैंचुआ इकाई	20 किलोग्राम
	मातृ वृक्ष बगीचा	500 पौधें
	बकरी पालन	25
	मुर्गीपालन	50
	जल संग्रहण इकाई	01
	गाय पालन इकाई	01
	नेपियर ग्रास इकाई	1000 पौध
कृषि विज्ञान केन्द्र, तबीजी, अजमेर	केंचुआ इकाई	1825
	केंचुदा खाद इकाई	10250 किलोग्राम
	अजोला इकाई	2100 किलोग्राम
	मदर ओर्चार्ड इकाई	रु 72.0000
	नर्सरी इकाई	56000? पौध
	पशुपालन इकाई	रु 4.0 लाख
	मशरूम उत्पादन इकाई	01
	हाइड्रोपोनिक इकाई	01
कृषि विज्ञान केन्द्र, धौलपुर	केंचुदा खाद इकाई	रु. 91385
	अजोला इकाई	रु. 07050
	बेर एवं आंवला ओर्चार्ड इकाई	रु. 13100
	नर्सरी इकाई	50220 सब्जी पौध 3760 फल पौध
	पशुपालन इकाई	रु. 31975
	गाय पालन इकाई	रु. 3171

9. मानव संसाधन विकास निदेशालय

श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय जोबनेर, के निदेशालय मानव संसाधन विकास की स्थापना विश्वविद्यालय की स्थापना के साथ ही सितम्बर 2013 में हुई थी । परन्तु मानव संसाधन विकास निदेशालय द्वारा स्वतंत्र रूप से कार्य 7 जनवरी 2015 को शुरू किया गया। अपनी स्थापना के साथ ही यह निदेशालय मानव संसाधन के समुचित उपयोग व विकास के लिए प्रयासरत है। निदेशालय, विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों, कर्मचारियों व छात्रों के विकास के लिए कई तरह के प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन कर रहा है। प्रशिक्षणें के अलावा वैज्ञानिकों व शिक्षकों को राष्ट्रीय सेमिनारों, संगोष्ठीयों व कार्यशालाओं में भाग लेने हेतु प्रोत्साहित किया जा रहा है।

निदेशालय सम्पादित कार्य:

1. निदेशालय द्वारा दिनांक 3 फरवरी 2021 को एक दिवसीय आनलाईन कार्यशाला "सेरा (CeRA) की प्रभावी उपयोगिता" पर आयोजित की गयी जिसमें विश्वविद्यालय की विभिन्न इकाईयों से 350 प्राध्यापकों एवं स्नातकोतर विद्यार्थियों ने भाग लिया व सेरा की उपयोगिता की महत्ता को गहराई से समझाया गया।
2. निदेशालय एवं सांख्यिकी, गणित एवं कम्प्यूटर विज्ञान विभाग, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर द्वारा फरवरी माह में चार राज्य स्तरीय आनलाईन कार्यशाला "जेण्डर बजटिंग एवं एनडेन्जरिंग एग्रीकल्चर डवलपमेंट" पर आयोजित किया गया। जिसमें राज्य के विभ्न्नि विभागों के अधिकारियों, शैक्षणिक, अनुसंधान एवं एन.जी.ओ. के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। जिसका उदेश्य जेंडर इक्वेलिटी पर था। यह कार्यक्रम महिला एवं बाल विकास विभाग, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित किया गया।

3. निदेशालय द्वारा "बेसिकस ऑफ कम्प्यूटर एवं इन्टरनेट" विषय पर एक सप्ताह का प्रशिक्षण कार्यक्रम दिनांक 5 से 9 अप्रेल, 2021 तक आयोजित किया गया जिसमें विश्वविद्यालय के मुख्यालय पर कार्यरत 23 अशैक्षणिक कर्मचारियों ने भाग लिया तथा बेसिक कम्प्यूटर एवं इनटरनेट की महत्ता को विशेषज्ञों द्वारा बारीकी से समझाया गया।

4. मानव संसाधन विकास निदेशालय द्वारा दिनांक 30 अप्रेल, 2021 को एक दिवसीय आन लाईन प्रशिक्षण "डिजिटल क्लासरूम मैनेजमैंट" पर आयोजित किया गया जिसमें विश्वविद्यालय की विभिन्न ईकाइयों से 102 संकाय सदस्यों ने भाग लिया । जिसमें कोविड –19 के कारण आन लाईन शिक्षण कार्य के लिये प्राध्यापकों को प्रेरित किया गया जिससे छात्रों की पढाई का नुकसान नहीं हो।

5. निदेशालय,मानव संसाधन विकास, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय द्वारा जनवरी 2021 से दिसम्बर 2021 तक विश्वविद्यालय की विभिन्न इकाईयों के 160 शैक्षिणिक एवं अशैक्षणिक कर्मचारियों को आनलाईन राष्ट्रीय सेमिनारों / शैक्षिक प्रशिक्षण /शैक्षिक गतिविधियों /शीतकालीन एंव ग्रीष्मकालीन, विशेष पाट्यक्रमों एंव प्रशिक्षणों में देश एंव राज्य के विभिन्न प्रतिष्ठित संस्थानों में भागीदारी की संस्तुति की गयी।

6. निदेशालय द्वारा 21 दिवसीय चतुर्थ ओरियन्टेशन कार्यक्रम का आयोजन दिनांक 1दिसम्बर, से 21 दिसम्बर, 2021 तक विश्वविद्यालय मुख्यालय पर किया गया। जिसमें विश्वविद्यालय की विभिन्न इकाइयों में नव चयनित सहायक प्राध्यापकों एवं विषय विशेषज्ञों ने भाग लिया जिसमें श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर की विभिन्न इकाइयों में पद स्थापित 16 सहायक प्राध्यापिकों ने प्रशिक्षण लिया ।

21 दिवसीय चतुर्थ ओरियन्टेशन कार्यक्रम

10. प्राथमिकता, निरीक्षण एवं मूल्यांकन निदेशालय

इस निदेशालय का कार्य विश्वविद्यालय सम्बन्धी सूचनाओं जैसे कि वार्षिक प्रतिवेदन/प्रशासनिक प्रतिवेदन तैयार करना व इनका प्रकाशन करना है। विश्वविद्यालय के शिक्षा, अनुसंधान एंव कृषि प्रसार संबधी महत्पूर्ण सूचना उपलब्ध कराने या इसकी उपलब्धता के लिए मध्यस्थता निदेशालय का एक पहलू है। सभी संगठक मान्यता के लिए भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद से मान्यता के लिए स्वअध्ययन प्रतिवेदन संकलित करता है। इसके के साथ ही आई. सी. ए. आर द्वारा कृषि विश्वविद्यालय के रैन्किंग प्रतिवेदन तैयार करना भी इस निदेशालय का कार्य है। इस वर्ष आई.सी.ए. आर में प्रस्तुतीकरण के लिए निदेशालय द्वारा वर्ष 2020–21 का वार्षिक प्रतिवेदन, रेन्किंग प्रतिवेदन तैयार किया। इस वर्ष निदेशालय द्वारा श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर के साथ साथ कृषि महाविद्यालय जोबनेर व लालसोट की आई. सी. ए. आर. मान्यता के लिए स्वअध्ययन प्रतिवेदन तैयार कर आई. सी. ए. आर. को भेजा जा चुका है। इस वर्ष चांसलर अवार्ड के लिए प्रतिवेदन भी इस निदेशालय द्वारा तैयार कर राज भवन को प्रेषित किया गया।

11. विश्वविद्यालय की महत्वपूर्ण गतिविधियाँ

÷ **राजभवन, जयपुर में समन्वित कृषि प्रणाली की इकाई की स्थापना** – समन्वित कृषि प्रणाली इकाई की स्थापना राजभवन जयपुर में श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर द्वारा की गई है। इसके तहत् वर्मी कम्पोस्ट इकाई, अजोला इकाई एंव पोषण वाटिका में पूर्ण संचालित बूँद– बूँद सिंचाई पद्धति स्थापित की गई है। इस समन्वित कृषि प्रणाली का लोकार्पण माननीय राज्यपाल महोदय श्री कलराज मिश्र ने प्रो. जीत सिंह संधू, कुलपति, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर की उपस्थिति में दिनांक 22 सितम्बर, 2021 को किया गया। इस समन्वित कृषि प्रणाली पद्धति का निर्देशन राजस्थान कृषि अनुसंधान संस्थान, दुर्गापुरा के निदेशक डॉ. अर्जुन सिंह बलोदा ने किया।

÷ **जल संचयन तालाब** – माननीय राज्यपाल एवं कुलाधिपति राजस्थान श्री कलराज मिश्र, राजस्थान के मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के महानिदेशक डॉ. त्रिलोचन महापात्र एवं श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर के कुलपति प्रो. जीत सिंह संधू के सानिध्य में 17 जुलाई, 2021 महाविद्यालय परिसर में 11 करोड लीटर क्षमता के जल संग्रहण इकाई का अनावरण किया गया। राजस्थान कृषि अनुसंधान संस्थान, दुर्गापुरा, जयपुर में जल संचयन तालाब का लोकार्पण दिनांक 30 अगस्त, 2021 को माननीय कुलपति श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर प्रो. जीत सिंह संधू के कर कमलों द्वारा किया गया। तालाब की जल धारण क्षमता 3373 घन मीटर है। वर्तमान में विश्वविद्यालय की विभिन्न इकाईयों पर 20 जल संचयन तालाब उपलब्ध हैं, जिनकी जल संग्रहण क्षमता 29.5 करोड लीटर है।

JAWALA SAGAR
CAPACITY- 11 Crore Liters

÷ **श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय जोबनेर का प्लेटिनम जुबली वर्ष समारोह** – श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर ने अपनी स्थापना के 75 वें वर्ष में प्रवेश किया है। इस महाविद्यालय की नींव सन् 1947 में रावल नरेन्द्र सिंह जी ने रखी थी एवं तब से अब तक इस महाविद्यालय ने कृषि शिक्षा में नई ऊँचाइयों को छुआ है। वर्ष भर तक मनाये जाने वाले प्लेटिनम जुबली वर्ष समारोह का शुभारम्भ 17 जुलाई, 2021 को माननीय राज्यपाल एवं कुलाधिपति राजस्थान श्री कलराज मिश्र, राजस्थान के मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के महानिदेशक श्री त्रिलोचन महापात्र एवं श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर के कुलपति प्रो. जीत सिंह संधु के सानिध्य में किया गया। कुलपति प्रो. जीत सिंह संधु ने बताया कि इस महाविद्यालय ने बहुत सारे ख्यातिनाम कृषि वैज्ञानिक दिये हैं, जिनका देश के कृषि एवं आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान रहा है। इनके अलावा इस महाविद्यालय से प्रशासनिक सेवा, कृषि अधिकारी आदि काफी संख्या में निकले है। इस प्लेटिनम जुबली वर्ष के तहत् वर्षभर विभिन्न प्रकार के आयोजन जैसेः– विश्वविद्यालय का नवम स्थापना दिवस, सेमिनार, कार्यशाला, एलुमनी मीट, विशिष्ट व्याख्यान आयोजित किये जा रहे हैं।

÷ **गौतम ट्रांजिट छात्रावास का लोकार्पण** – श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर में प्रो. जीत सिंह संधु, कुलपति, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर एंव डॉ. पी.सी. जैन, पूर्व अधिष्ठाता, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर के कर कमलों द्वारा गौतम ट्रांजिट छात्रावास (25 क्षमता) का दिनांक 9 अगस्त, 2021 को लोकार्पण किया गया। श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. अशोक कुमार गुप्ता, ने बताया कि इस छात्रावास का नामकरण इस महाविद्यालय के प्रथम अधिष्ठाता डॉ. लोटू सिंह गौतम के नाम पर रखा गया है। इस छात्रावास को आंगतुक छात्रों के उपयोग के लिये चिन्हित किया गया है।

÷ **खरपतवार संग्रहालय की स्थापना** – राजस्थान कृषि अनुसंधान संस्थान, दुर्गापुरा के शस्य विज्ञान विभाग में स्थापित खरपतवार संग्रहालय का उद्घाटन डॉ. राजेन्द्र सिंह परोदा, पूर्व महानिदेशक, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली एंव प्रो. जीत सिंह संधू, कुलपति श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर के द्वारा दिनांक 30 अगस्त, 2021 को किया गया। उद्घाटन के दौरान डॉ. लक्ष्मण सिंह राठौड, पूर्व निदेशक, भारतीय मौसम विभाग, पुणे भी उपस्थित थे। इस संग्रहालय में 100 परिरक्षित खरपतवार एंव उनके पौधों के विभिन्न भागों का विस्तृत विवरण मय फोटो दर्शाये गये हैं।

÷ **अपशिष्ट जल उपचार संयंत्र की स्थापना** – भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली द्वारा विकसित तकनीक पर आधारित गन्दे पानी को उपचारित करने के लिए कृषि महाविद्यालय, जोबनेर में संयंत्र स्थापित किया गया है जिसका उपयोग छात्रावासों से निकलने वाले गन्दे पानी को उपचारित करने के लिये किया जा रहा है। इस पानी का उपयोग डेयरी फार्म पर चारा फसलें उगाने एवं पौधों में सिंचाई हेतु किया जा रहा है।

÷ **कृषि महाविद्यालय, जोबनेर में सरस्वती सभागार का जीर्णोधार** – महाविद्यालय के 40 वर्ष पुराने सरस्वती सभागार का जीर्णोधार एवं उसका विस्तार का कार्य किया जा रहा है। जिसका बहुउद्देशिय उपयोग जैसेः– सम्मेलन, सेमिनार, कार्यशाला, परीक्षाओं एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों को अयोजित करने के लिये होगा।

÷ **हरित कैम्पस** – "आजादी का अमृत महोत्सव" उत्सव के तहत् श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर की विभिन्न इकाईयों पर पौध रोपण का विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया है। जिसके तहत् मानसून में 16050 पौधे विभिन्न इकाईयों पर रोपित किये गये है। इसके अतिक्ति 11641 पौधों का रोपण विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिये गये गाँवों में किया गया है। उद्घाटन संबोधन में प्रो. जीत सिंह संधू कुलपति, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर ने कहा कि वृहत् स्तर पर पौधरोपण करके कैम्पस को हरा भरा बनाये रखना है। इसके लिये शनिवार को प्रत्येक शिक्षक एंव कर्मचारी श्रमदान करके इन पौधों की सार संभाल करे। कृषि विज्ञान केन्द्रों पर इस वर्ष फलदार पौधों के 39 बगीचों की स्थापना की गई है तथा इसके अलावा किसानों के खेतों पर 113 बगीचों की स्थापना की है। जिसमें आम, नींबू, मौसम्बी, अंजीर, किन्नू, पपीता, लसोडा, बील, सीताफल, जामुन, चन्दन आदि प्रमुख फलदार पौधे है।

- **मधुमक्खी इकाई** – श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर के कीट विज्ञान विभाग में मधुमक्खी इकाई की स्थापना की गई। इस इकाई की स्थापना से महाविद्यालय में अध्ययनरत छात्रों के साथ साथ क्षेत्र के किसान भी लाभान्वित होगें। इस मधुमक्खी इकाई में एपिस मैलीफेरा प्रजाति का पालन किया जा रहा है। इससे शहद, मोम, रॉयल जैली एवं मधुमक्खी वैनम आदि के कम लागत स्टार्टअप स्थापित करने के लिये उपयोगी सिद्ध होगें।

- **सोलर संयन्त्र की स्थापना** – श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर में 187 किलोवाट क्षमता का सोलर संयन्त्र स्थापित किया गया है। इस संयन्त्र द्वारा 21000 यूनिट बिजली प्रति माह प्राप्त होगी। इन संयन्त्रों से प्राप्त बिजली आपूर्ति के कारण बिजली हेतु परम्परागत ग्रिड आपूर्ति प्रणाली पर निर्भरता कम होने के साथ साथ बिजली बिलों के खर्च में कमी होगी।

- **ग्रीन ऊर्जा की ओर बढते कदम** – श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर में बैट्री चलित तीन ई–रिक्शा (2 यात्रियों हेतु एंव 1 सामान ढोने हेतु) खरीदे जिनका अनावरण दिनांक 7 अप्रैल, 2021 को प्रो. जीत सिंह संधू कुलपति, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर के कर कमलों द्वारा किया गया। इन ई–रिक्शों के माध्यम से छात्रों एंव वैज्ञानिकों को विश्वविद्यालय परिसर से महाविद्यालय परिसर, अनुसंधान प्रक्षेप पर आगमन में सुविधा रहेगी। ई–रिक्शा, वातावरण के संरक्षण एवं कार्बन फुट प्रिंट को नीचे लाने में सहायक सिद्ध होंगे। इनके उपयोग से पेट्रोलियम वाहनों के संचालन में कटौती होगी जिसके परिणाम स्वरूप हानिकारक गैसों के निकलने में अप्रत्याशित कमी आयेगी।

- **करोंदा दिवस** – राजस्थान में करोंदा की खेती को प्रोत्साहित करने हेतु श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर ने राजस्थान कृषि अनुसंधान संस्थान, दुर्गापुरा जयपुर परिसर में 30 अगस्त, 2021 को करोंदा दिवस मनाया। इस करोंदा दिवस में डॉ. आर.एस. परोदा, पूर्व महानिदेशक भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली मुख्य अतिथि के रूप में एवं डॉ. लक्ष्मण सिंह राठौड, पूर्व निदेशक, भारतीय मौसम विभाग, पुणे विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। प्रो. जीत सिंह संधू, कुलपति, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर ने अध्यक्षता करते हुए हुए बताया कि करोंदा में विटामिन–सी. एवं लौह तत्व की प्रचुरता होती है। पके हुए फलों में पैक्टिन भी प्रचुर मात्रा में होती है। इस करोंदा दिवस में 100 से अधिक करोंदा की प्रविष्टियां विश्वविद्यालय के अधिकृत क्षेत्र के आठ जिलों से प्राप्त हुई। इस अवसर पर अतिथियों के कर कमलों द्वारा इनमे से श्रेष्ठ 18 पुरस्कार किसानों एवं संस्थानों को प्रदान किये गये।

- **बायो गैस संयन्त्र** – श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर में 4 क्यूबिट मीटर क्षमता का बायो गैस संयंत्र की स्थापना की गई है। जिसका उद्‌घाटन 15 अप्रैल, 2021 को प्रो. जीत सिंह संधू कुलपति, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर के कर कमलों द्वारा किया गया। इस बायो गैस संयंत्र की स्थापना से छात्रों एवं किसानों को प्रायोगिक ज्ञान प्रदान करने में सहायता प्राप्त होगी।

- **जिला ग्रीन चैम्पियन पुरूस्कार** – भारत सरकार के उच्च शिक्षा विभाग, शिक्षा मंत्रालय, द्वारा महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद के तहत् कृषि महाविद्यालय, फतेहपुर को 10.08.2021 को जिला ग्रीन चैम्पियन पुरूस्कार से पुरस्कृत किया हैं।

÷ **दूध पार्लर की स्थापना –** श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय की डेयरी यूनिट ने मिल्क पार्लर की स्थापना की। इस पार्लर में पैक किया हुआ दूध "कर्ण नरेन्द्र दूध" ब्रांड के नाम से बेचा जायेगा। इन पैकट में गिर गाय का पाश्चुरीकृत दूध पैक किया जायेगा जो कि ताजा एवं बैक्टीरिया से मुक्त होगा।

÷ **ब्रिकी केन्द्र की स्थापना –** श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर की विभिन्न इकाइयों में विभिन्न तरह के उत्पाद जैसे–, बीज, सब्जियां, फल, दूध, अण्डा, वर्मी कम्पोस्ट, ट्राईकोड्रामा, आंवला केण्डी, आंवला रस, सब्जियों की पौध एवं कृषि संबंधी प्रकाशन बेचने हेतु बिक्री केन्द्र की स्थापना की गई।

÷ **श्री कर्ण नरेन्द्र एग्री–बिजनेस इनक्यूबेटर –** श्री कर्ण नरेन्द्र एग्री–बिजनेस इनक्यूबेटर श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर का एक एग्री–इनोवेशन हब और एग्री–बिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर है। यह कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, भारत सरकार, नई दिल्ली की आर.के.वी.वाई–रफ्तार योजना के तहत कार्यरत है। यह अच्छी तरह से सुसज्जित इनक्यूबेशन, स्पेस तकनीक और व्यावसायकि सलाह, कृषि व्यवसाय उद्योगों के साथ नेटवर्किंग, इंटरनेट और सूचना संसाधन, कृषि स्टार्टअप और सम्बंधित क्षेत्र के लिये अनुकूल और सहायक वातावरण प्रदान करता है। योजना के तहत दो कार्यक्रम चलाये जाते है।

÷ **एग्रीप्रेन्योरशिप ओरिएंटेशन प्रोग्राम –** यह 5 लाख रूपये तक की अनुदान सहायता के साथ प्री–प्रेड स्टेज फंडिंग प्रोग्राम है। इस में इंटर्नशिप के साथ साथ दो महीने का प्रशिक्षण देकर नवीन विचारों वाले किसी भी व्यक्ति को बिजनेस का अवसर प्रदान किया जाता है। कार्यक्रम का उद्देश्य संभावित कृषि उद्यमियों को अपेक्षित व्यावहारिक, तकनीकी और व्यवसाय से संबंधित प्रशिक्षण प्रदान करके उन्हे नवीन विचारों से संबंधित उद्यमिता को एक आकर्षक कैरियर विकल्प बनाने के लिए सलाह देना है।

÷ **स्टार्टअप एग्री–बिजनेस इन्क्यूबेशन प्रोग्राम –** यह एक सीड स्टेज फंडिंग है जिसमें 25 लाख रूपये तक की सहायता अनुदान का प्रावधान है। इसका उद्देश्य कृषि और संबंद्ध क्षेत्रों में न्यूनतम व्यवहार्य उत्पाद (एमवीपी) वाले संभावित स्टार्टअप को वित्तीय सहायता प्रदान करना है। यह वित्तीय सहायता उन्हें अपने संचालन को बढाने और तेज गति से व्यावसायिक व्यवहार्यता प्राप्त करने में मदद करेगा। इससे उन्हें अपने व्यवसाय संचालन को और बढानें के लिए अन्य वित्तीय संस्थानों से निवेश आकर्षित करने में भी मदद मिलेगी। साबी द्वारा अभी तक ए.ओ.पी व ए.बी.आई.पी. के 4 बैच लगाए जा चुके और इनमें से दो बैच को सम्मिलित रूप से लगभग 2 करोड 50 लाख रूपये की अनुदान राशि स्वीकृत हो चुकी है एवं कुल मिलाकर 83 स्टार्टअप प्रशिक्षण ले चुके है। इन प्रशिक्षण ले चुके स्टार्टअप में प्रगतिशील किसान भाई भी है। जिन्होनें अपने पारम्परिक तौर तरीकों में बदलाव कर नवाचार को अपनाया।

अतंतः कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य किसानों की आय में वृद्वि करना और नवाचार और उद्यमिता पर जोर देकर अन्य विकल्पों की और उनके प्रवास को रोकना और कृषि को एक अधिक आकर्षक करियर विकल्प बनाना है। जिसे इन कृषि व्यवसाय इन्क्यूबेटर द्वारा प्राप्त किया जा सकता है।

12. प्रतिष्ठित आगंतुक

1. श्री हरि प्रसाद शर्मा, पूर्व महानिदेशक (पुलिस) ने दिनांक 24 जनवरी, 2021 को विश्वविद्यालय का भ्रमण करते हुए फार्म का निरीक्षण किया। उन्होने विश्वविद्यालय के प्रयासों की भूरी–भूरी प्रशंसा की।
2. श्री हर्षवर्धन अग्रवाल, ADC, माननीय राज्यपाल एवं कुलाधिपति ने 29 जनवरी, 2021 को साबी परियोजना का अवलोकन किया और अनुसंधान कार्य क्षेत्र परीक्षणों की सराहना की।
3. श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विद्यालय, जोबनेर ने पाँच दिवसीय राज्य स्तरीय किसान मेले का आयोजन श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय जोबनेर प्रांगण में दिनांक 22–26 फरवरी, 2021 को आयोजित किया जिसमें माननीय कृषि, मत्स्य एवं पशुपालन मंत्री श्री लालचन्द कटारिया मुख्य अतिथि, तकनीकी शिक्षा मंत्री, श्री सुभाष गर्ग, विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इनके अतिरिक्त श्री कुंजी लाल मीणा प्रमुख सचिव, राजस्थान सरकार, श्री बी.एल. सोनी पुलिस महानिदेशक, राजस्थान ने मेले में शिरकत की।
4. डॉ. आर.एस.परोदा, अध्यक्ष, टास व पूर्व महानिदेशक भारत कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली ने दिनांक 30 अगस्त, 2021 को राजस्थान कृषि अनुसंधान दुर्गापुरा, जयपुर में खरपतवार संग्राहलय का उद्घाटन किया, इसके साथ ही संस्थान में चल रही शोध गतिविधियों का निरीक्षण भी किया।
5. डॉ. एल.एस. राठौर पूर्व महानिदेशक भारतीय मौसम निदेशालय नई दिल्ली ने दिनांक 30 अगस्त, 2021 को राज्य स्तरीय करौंदा दिवस समारोह, रारी दुर्गापुरा, जयपुर में विशिष्ट अतिथी के रूप में पधारे
6. राजदूत, अर्जेन्टीना उच्चायुक्त ने राजस्थान कृषि अनुसंधान संस्थान, दुर्गापुरा, जयपुर में दिनांक 24 अगस्त, 2021 को भ्रमण किया साथ ही वहां के वैज्ञानिकों द्वारा नवाचारों को सराहा
7. विश्वविद्यालय के नवं स्थापना दिवस समारोह 13 सितम्बर, 2021 को डॉ. एन.एस. राठौर कुलपति महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रोधौगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर एवं पूर्व कुलपति डॉ. पी.एस. राठौर कुलपति श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर एवं डॉ. बी.आर. छीपा, (पूर्व कुलपति), स्वामी केश्वानन्द कृषि विश्वविद्यालय, बीकानेर डॉ. जी.एल. केशवा पूर्व कुलपति, कृषि विश्वविद्यालय, कोटा पधारे।
8. किशनगढबास विधायक श्री दीपचन्द खिरीया ने कृषि महाविद्यालय किशनगढबास में दिनांक 15 अगस्त, 2021 को दौरा किया एवं महाविद्यालय में सुविधाओं के विकास का आस्वासन दिया।
9. श्री प्रशान्त बैरवा, विधायक (टोंक) ने नवनिर्मित कृषि महाविद्यालय झिलाई (टोंक) में 22 सितम्बर, 2021 को दौरा किया। इसके साथ ही छात्रों को प्रेरित किया एवं महाविद्यालय में सुविधाओं के विकास का आस्वासन भी दिया।
10. श्री राजेन्द्र सिंह यादव, माननीय मंत्री प्लानिंग मोटर गेराज एवं सामाजिक न्याय ने कृषि महाविद्यालय कोटपूतली में दिनांक 29 सितम्बर, 2021 को दौरा किया।
11. संभागीय आयुक्त भरतपुर श्री पी.सी. बेरवाल कृषि महाविद्यालय, कुम्हेर (भरतपुर) पधारे एवं छात्रों से संवाद कर प्रेरित किया।
12. श्री निरजंन आर्य मुख्य सचिव राजस्थान सरकार ने कृषि महाविद्यालय, फतेहपुर एवं भेड प्रजनन केन्द्र का निरीक्षण 18 सितम्बर, 2021 को किया।

13. सार संक्षेप

विश्वविद्यालय ने प्रतिवेदन वर्ष में कृषि के तीनों क्षेत्रों कृषि शिक्षा, अनुसंधान एवं प्रसार शिक्षा में आशातीत प्रगति की है।

शिक्षा :– विश्वविद्यालय के सभी महाविद्यालयों में शिक्षा की गुणवत्ता में सकारात्मक वृद्धि हेतु कोरोना महामारी के दिशा निर्देशों के मद्देनजर ऑन लाईन एवं ऑफ लाईन माध्यम द्वारा नियमित कक्षाओं का संचालन किया। विश्वविद्यालय में संकाय विविधता लाने के क्रम में राज्य सरकार को प्रस्ताव भेजे गए थे। इनके अनुक्रम में राज्य सरकार द्वारा विश्वविद्यालय में तीन कृषि महाविद्यालय क्रमशः भुसावर (भरतपुर), झिलाई (टोंक), पीथमपुरी (सीकर) व एक डेयरी विज्ञान एवं प्रोधौगिकी महाविद्यालय (जोबनेर) इसी शैक्षणिक सत्र से प्रारम्भ करके छात्रों प्रवेश दे दिया गया है। इस वर्ष विश्वविद्यालय के 10 विद्यार्थियों ने जे.आर.एफ. व 14 विद्यार्थियों ने राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (नेट) उत्तीर्ण की है। ये दोनों परीक्षाएं भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली द्वारा आयोजित की जाती हैं। इनके अलावा 63 विद्यार्थियों ने देश के कृषि विश्वविद्यालयों में स्नातकोत्तर एवं 21 विद्यार्थियों ने विद्यावाचस्पति कक्षाओं में प्रवेश प्राप्त किया है। साथ ही इस वर्ष विश्वविद्यालय के 54 छात्रों ने सरकारी एवं निजी क्षेत्र में रोजगार अर्जित किया है। विश्वव्यापी कोरोना महामारी के दौरान विश्वविद्यालय ने 25 स्मार्ट क्लासरूम एवं 12 वर्चुअल क्लासरूम कृषि महाविद्यालयों में स्थापित किये हैं। जिससे शिक्षा सुगमतापूर्वक बिना बाधा के संचालित हुई है।

विश्वविद्यालय सह पाठ्यक्रम के अन्तर्गत श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर में एन.सी.सी. एवं एन.एस.एस. इकाईयां तथा अन्य संगठक महाविद्यालयों में एन.एस.एस. व एन.एस.ओ. इकाईयां संचालित है। एन.सी.सी. के 2 वार्षिक प्रशिक्षण कैम्पों में 30 कैडेटस ने भाग लिया एवं 20 मैडल प्राप्त किये।

विश्वविद्यालय में शिक्षा अनुसंधान की गुणवत्ता बढाने के लिए देश के अन्य शोध संस्थानों से 7 अनुंबन्ध किये गये है। जिससे छात्रों को इन अनुबंधों का लाभ मिल रहा है।

शोध :– विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने इस आलोच्य वर्ष में फसलों की चार किस्में क्रमशः काबुली चना की सी. एस.जे.के. 174 (कर्ण काबुली–4), बाजरे की आर.एच.बी.–228, तारामीरा की आर.टी.एम. 1624 (कृष्ण तारा) एवं सौंफ की यू.एफ. 289 किस्में विकसित की है। इस वर्ष के दौरान 35 उन्नत कृषि तकनीकियों को विकसित किया गया। इस वर्ष राष्ट्रीय कृषि विकास परियोजना के तहत् 03 प्रोजेक्ट एवं निजी कम्पनियों की 40 परीक्षण परियोजनाएं कार्यरत है। विश्वविद्यालय की विभिन्न इकाईयों पर इस वर्ष विभिन्न फसलों का 2703 क्विंटल प्रजनक बीज व 2134 क्विंटल सत्य चिन्हित बीज का उत्पादन हुआ है, जिससे क्षेत्र के कृषकों को गुणवत्ता युक्त बीज उपलब्ध हो पाया है। विश्वविद्यालय क्षेत्र की आवश्यकताओं और किसानों की जरूरत को ध्यान में रखते हुए निजी संस्थाओं /कम्पनियों की परीक्षण परियोजनाएं विश्वविद्यालय वैज्ञानिकों द्वारा चलाई जा रही हैं। इससे समस्या समाधान के साथ साथ विश्वविद्यालय को 80 लाख रूपये आमदनी भी हुई।

प्रसार :– विश्वविद्यालय में प्रसार शिक्षा निदेशालय द्वारा इस वर्ष पांच दिवसीय राज्य स्तरीय किसान मेला श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर एवं आत्मा परियोजना, जयपुर के संयुक्त तत्वाधान में कृषि महाविद्यालय जोबनेर प्रांगण में आयोजित किया। जिसमें कृषि, पशुपालन, कृषि यांत्रिकी, कृषि उपकरणों, जैविक उत्पादों, खाद–उर्वरक तथा बीज विक्रेताओं, कृषि अनुसंधान केन्द्रों, कृषि विज्ञान केन्द्रों व आई.सी.ए.आर. के संस्थानों द्वारा कृषि प्रदर्शनी लगाई गई जिससे संबंधित अभिनव जानकारियां लगभग 10000 किसानों तक पहुँची।

निदेशालय द्वारा त्रैमासिक न्यूज एवं व्यूज, मासिक पत्रिका "जोबनेर कृषि" एवं विश्वविद्यालय कैलण्डर और डायरी 2021 का प्रकाशन किया गया। जिससे विश्वविद्यालय की नवीनतम कृषि प्रोधौगिकी कृषकों तक पहुँच रही है। इसके अतिरिक्त निदेशालय द्वारा आदान विक्रेताओं का एक वर्षीय डिप्लोमा प्रशिक्षण कार्यक्रम किया जिससे जिले के 40 प्रशिक्षिणार्थियों को प्रशिक्षित किया।

किसानों को उनके मोबाइल पर घर बैठे ही कृषि की नवीनतम जानकारी एवं मौसम की जानकारी मिल सके इसके लिये विश्वविद्यालय के सभी कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा मोबईल एप विकसित किये हैं। किसानों की खेतों की मिट्टी का परीक्षण गांव में ही खेत पर हो सके इसी उद्देश्य से एक चलित मृदा परीक्षण वेन शुरू की है, जो विश्वविद्यालय क्षेत्र में आने वाले किसानों के खेतों में जाकर मृदा के नमूने लेकर मृदा परीक्षण एवं मृदा स्वास्थ्य कार्ड उपलब्ध करा रही है। विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिये गये गांव में निदेशालय द्वारा विभिन्न कार्यक्रम जैसेः– प्रौढ शिक्षा, स्वच्छता कार्यक्रम, कोविड–19 टीकाकरण, योग दिवस एवं पौधारोपण कार्यक्रम वर्षभर आयोजित किये गये। मानव संसाधन विकास निदेशालय द्वारा विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों, कर्मचारियों व छात्रों के विकास के लिये विश्वविद्यालय में पृथक से मानव संसाधन एवं विकास निदेशालय कार्यरत है। इस निदेशालय द्वारा इस वर्ष प्रशिक्षण कार्यक्रम, राष्ट्रीय वेबीनार, संगोष्ठियां व कार्यशालाओं का आयोजन किया जिसमें सेरा (CeRA) की प्रभावी उपयोगिता, जेण्डर बजटिंग एवं एनडेन्जरिंग एग्रीकल्चर डवल्पमेंट एवं एक 21 दिवसीय चतुर्थ ओरियन्टेशन कार्यक्रम सम्पादित किये हैं।

निदेशालय प्राथमिकता, निरीक्षण एवं मूल्यांकन

श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय

जोबनेर–303329, जिला–जयपुर (राज.)

फोन : 01425–254987

ईमेल : **director.pme@sknau.ac.in**

वेबसाईट : **sknau.ac.in**